www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 206 || लखनऊ
बुधवार
28 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:13
सूर्यास्तः 05:27
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार
करवा चौथः आस्था, प्रेम और ... »पेज 04
तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक... »पेज 06
शाहरुख की फिल्म 'किंग' का ...

शिक्षकों और कर्मचारियों के विवादों के निपटारे से जुड़े शिक्षा सेवा अधिकरण विधेयक-2021 के कुछ प्रावधान केंद्रीय कानूनों से मेल नहीं खाते थे। इसे देखते हुए सरकार ने संशोधन के लिए विधेयक वापस लेने का फैसला किया है, ताकि आवश्यक बदलावों के बाद बेहतर व्यवस्था लागू की जा सके।

चार लिंक एक्सप्रेसवे समेत कई विकास परियोजनाओं को मंजूरी

योगी कैबिनेट के 22 फैसलों पर मुहर

- 1,000 एकड़ में बनेगा टेक्सटाइल पार्क लखनऊ-हरदोई सीमा पर
- 1.70 लाख से अधिक शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को मिलेगा कैशलेस इलाज
- गाय खरीदने पर 50% तक सब्सिडी, गरीब परिवारों को 100 चूजे मुफ्त

17,542 करोड़
से बनेंगे चार लिंक एक्सप्रेसवे

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2024 के अंतर्गत चार औद्योगिक इकाइयों के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। इन प्रस्तावों के तहत संबंधित कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए जाने की स्वीकृति दी गई है।

चारों कंपनियां जनपद गौतमबुद्ध नगर में कुल 1,709.84 करोड़ रुपये का निवेश कर अपनी इकाइयां स्थापित करेंगी।

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

हैवेल्स इंडिया लिमिटेड करेगी 879 करोड़ रुपये का निवेश

हैवेल्स इंडिया लिमिटेड द्वारा गौतमबुद्ध नगर में 879 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अत्याधुनिक तकनीक और विकासपरक गतिविधियों पर केंद्रित यह परियोजना प्रदेश में औद्योगिक एवं तकनीकी क्षमताओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण होगी।

मेटलाइफ करेगी 84 करोड़ रुपये का निवेश

मेटलाइफ ग्लोबल ऑपरेशन्स सपोर्ट सेंटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गौतमबुद्ध नगर स्थित निजी भूमि पर ऑक्सीजन बिजनेस पार्क में 84 करोड़ रुपये की लागत से एसटीपीई स्थापित किया जाएगा।

गाय खरीदने पर सब्सिडी, गरीब परिवारों को फ्री में 100 चूजे

दूध उत्पादन बढ़ाने, पशुओं की नस्ल सुधारने और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए राज्य पशुधन मिशन शुरू किया जाएगा। इसके तहत गाय का बीमा कराने पर प्रीमियम का 85 प्रतिशत हिस्सा सरकार और 15 प्रतिशत हिस्सा पशुपालक देगा।

नदियों में चलने वाले नाव और स्टीमरों का रजिस्ट्रेशन

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि कैबिनेट ने 'उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलयान नियमावली' को मंजूरी दे दी है। इनलैंड वाटर अथॉरिटी का गठन किया जाएगा।

जल परिवहन की देखरेख के लिए अथॉरिटी बनेगी, जिसके अध्यक्ष परिवहन मंत्री होंगे। उन्होंने बताया कि गंगा, यमुना, सरयू, घाघरा समेत प्रदेश की 11 नदियों में चलने वाले नावों और स्टीमर का पंजीकरण अनिवार्य होगा। गैर-यात्री नावों के लिए 50 रुपए शुल्क तय किया गया है।

साथ ही दुर्घटना से बचाव और सुरक्षा के लिए यात्रियों के साथ-साथ नाविकों का भी बीमा कराया जाएगा।

चार सरकारी अस्पताल पीपीपी मॉडल पर चलेंगे

सरकार ने बरेली के 300 बेड, बांदा के 200 बेड, अंबेडकर-नगर के टांडा के 200 बेड और चित्रकूट के कर्वी के 200 बेड वाले अस्पतालों को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर संचालित करने की मंजूरी दी है। यहां 12 विशेषज्ञ और तीन सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इलाज और ओपीडी की दरें KGMU लखनऊ के अनुरूप रहेंगी। इन अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से भी इलाज कराया जा सकेगा।

माध्यमिक शिक्षा के 48,062 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस इलाज

अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तविहीन और संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के 48,062 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। इसमें अस्पताल में भर्ती होने पर मिलने वाला इलाज (IPD) शामिल है।

ग्रेटर नोएडा में बनेगा प्रगति रोबोटिक्स पार्क

ग्रेटर नोएडा में करीब 70 एकड़ जमीन पर प्रगति रोबोटिक्स पार्क विकसित किया जाएगा। यहां रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़ी कंपनियों को काम करने के लिए सुविधाएं मिलेंगी।

एसिड बिक्री पर गाइडलाइन, फिर भी हमले क्यों : सुप्रीम कोर्ट

इसका मतलब- पॉलिसी फेल है, राज्य इसे सख्ती से लागू कराएं

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एसिड अटैक की घटनाओं से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उसने कहा कि गाइडलाइन बनी है, इसके बावजूद घटनाएं हो रही हैं। इसका मतलब है कि इसमें कुछ कमी है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि एसिड की बिक्री पर रोक वाली गाइडलाइन सभी राज्यों में लागू कराए। साथ ही हलफनामा देकर बताए कि एसिड के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए जरूरी कदम क्या होंगे। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि एसिड आज भी बाजार में आसानी से मिल रहा है। केंद्र-राज्यों को मिलकर इसका समाधान करना होगा। बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार को यह नहीं मान लेना चाहिए कि गाइडलाइन जारी करने के बाद उसकी जिम्मेदारी राज्यों पर आ गई। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या उसने किसी राज्य से घटनाओं को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। बेंच ने कहा कि सर्कुलर में सहानुभूति भरी भाषा लिखकर निर्देश जारी करने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा। अगर घटनाएं बढ़ रही हैं, तो इसका मतलब है कि नीति बुरी तरह विफल रही है।"

कोर्ट ने कहा, "क्या आप हमें एक ऐसा सर्कुलर दिखा सकते हैं, जिसमें किसी राज्य से पूछा गया हो कि आपकी गाइडलाइन के बावजूद घटनाएं कैसे हुईं? वहां निगरानी करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों की जवाबदेही कहां है?"

>> (शेष पेज 06 पर)

मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा, नया पोर्टल होगा शुरू

आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन से डाउनलोड तक की प्रक्रिया समझाई गई

सहमति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विकसित किए गए नए पोर्टल को शुरू करने की सहमति मिल गई है। सूचना निदेशालय के सभागार में सूचना निदेशक विशाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पोर्टल के संचालन और आयुष्मान कार्ड जारी करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में स्टेट हेल्थ एजेंसी, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के अधिकारियों ने पोर्टल के प्रोसेस फ्लो का प्रस्तुतीकरण किया। इस दौरान मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आवेदन, सत्यापन और कार्ड डाउनलोड करने की प्रक्रिया को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

एक सप्ताह में औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश।

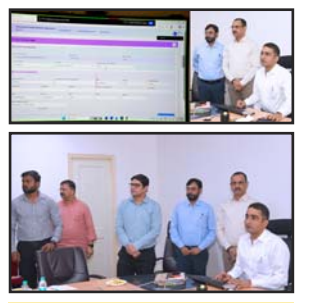

सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि पोर्टल को सरल और सुगम बनाया गया है, ताकि अधिक से अधिक मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके परिजनों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ जल्द मिल सके।

फास्ट न्यूज

तमिलनाडु जेल से सुबह फरार हुए 13 कैदी पकड़े गए

चेन्नई। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी सब-जेल से फरार 17 में से 13 कैदी गिरफ्तार हो चुके हैं एक जेल के पीछे झाड़ियों में मिला। तीन सड़क पर चलते हुए और एक को ऑटोरिक्शा में चढ़ते हुए पकड़ा गया। आठ और को तमिलनाडु के थेनी शहर के पास एक जंगल वाले इलाके में ट्रैक किया गया।

वोट चोरी टॉप लेवल से हो रही : राहुल

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी ब्लॉक-20 में 'वोट अधिकार, जीने का अधिकार' जनसुनवाई के दौरान कहा कि गरीबों के नाम जानबूझकर वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा- हम लंबे समय से यह मुद्दा उठाते रहे हैं, लेकिन अब पूरा देश समझने लगा है कि टॉप लेवल से वोट चोरी हो रही है। उन्होंने कहा- पूरा विपक्ष एकजुट है। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या पीएम मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

चार राज्यों की 28 एमएलसी सीटों पर काउंटिंग

पटना/लखनऊ/मुंबई/बेंगलुरु। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक की 28 MLC सीटों पर मंगलवार सुबह 8 बजे से मतगणना जारी है। शाम करीब 8 बजे तक की खबरों के हिसाब से भाजपा और उसके साथी दल (जदयू, शिंदे सेना, अजित पवार की एनसीपी, जेडीएस) मिलाकर करीब 16 सीटों पर आगे हैं।

भारत का एससीओ समिट में पाक मंत्री को न्योता

इससे पहले 2023 में बिलावल भुट्टो गोवा आए थे

सहमति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में 20 से 22 नवंबर तक शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) की बैठक होगी। 'द हिंदू' के सूत्रों के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को भी इसमें शामिल होने का न्योता दिया है। अगर वे भारत आते हैं, तो 2023 के बाद यह भारत में किसी पाकिस्तानी मंत्री की पहली यात्रा होगी। इससे पहले 2023 में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो SCO के लिए गोवा आए थे। पाकिस्तान ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मंच पर उसके प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कौन करेगा। ये बैठक देशों की पुरानी संस्कृति और आपसी भाईचारा बढ़ाने के लिए आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है।

>> (शेष पेज 06 पर)

20-22 नवंबर तक इवेंट, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन।

मेरठ की दोनों सीटें भाजपा ने जीतीं, भाजपा और सपा कई सीटों पर आगे

एमएलसी मतगणना में भाजप और सपा के बीच मुकाबला

मुकाबला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक खंड की 11 सीटों पर मतगणना जारी है। चुनाव के नतीजों पर राजनीतिक दलों की नजरें टिकी हैं। शुरुआती रुझानों में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच मुकाबला दिखाई दे रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भाजपा ने मेरठ की दोनों सीटें जीत ली हैं, जबकि अन्य सीटों पर भी दोनों दल बढ़त बनाने की कोशिश में हैं। विधान परिषद की पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीटों के लिए मतगणना प्रदेश के सात जिलों में कराई जा रही है। चुनाव में लखनऊ, वाराणसी, आगरा और मेरठ के स्नातक व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं।

इसके अलावा इलाहाबाद-झांसी स्नातक, बरेली-मुरादाबाद शिक्षक और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के वोटों की गिनती भी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की शिक्षक निर्वाचन सीट पर सपा प्रत्याशी लाल बिहारी पहले चरण में आगे चल रहे हैं। इस सीट के नतीजे पर भी राजनीतिक दलों की नजर बनी हुई है।

मेरठ में भाजपा ने दर्ज की जीत

मतगणना के दौरान भाजपा ने मेरठ की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, शुरुआती रुझानों में भाजपा तीन अन्य सीटों पर आगे बताई जा रही है। समाजवादी पार्टी भी तीन सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। अन्य सीटों पर मतगणना जारी रहने के कारण स्थिति बदल सकती है।

लखनऊ में मतपत्रों को लेकर हंगामा

लखनऊ में मतगणना के दौरान वैध और अवैध मतपत्रों को लेकर हंगामे की स्थिति बन गई। मतपत्रों की वैधता को लेकर उठे सवालों के बीच मतगणना की प्रक्रिया पर सबकी नजर रही। विधान परिषद की इन 11 सीटों के नतीजे प्रदेश की राजनीति के लिहाज से अहम माने जा रहे हैं। मतगणना पूरी होने के बाद ही सभी सीटों पर अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी।

आत्मनिर्भरता : शून्य की खोज की, नंबर सिस्टम बनाया, हमारा लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना

भारत में इनोवेशन की परंपरा रही : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। हमें आज जो सफलताएं मिल रही हैं, वे पहले कभी नहीं मिलीं। 'विकसित भारत' की नींव वैज्ञानिक अनुसंधान पर टिकी होगी। भारत एक नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य नई तकनीकें विकसित करना है। हमारा लक्ष्य महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार करना है। भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना है। ये बातें पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव (ESTIC 2026) के उद्घाटन में कहीं। ESTIC साइंस-इनोवेशन से जुड़ा एक राष्ट्रीय सम्मेलन है। यह 27-28 अक्टूबर तक चलेगा, इसमें 12 सेक्टरों पर चर्चा की जाएगी। तीन नोबेल विजेता इसके स्पीकर होंगे। आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हमारे पास प्रतिभा और कुछ नया करने का संकल्प है। हमारा भाव हो वी विल डू इट, हमारा संकल्प हो वी विल डू इट।

>> (शेष पेज 06 पर)

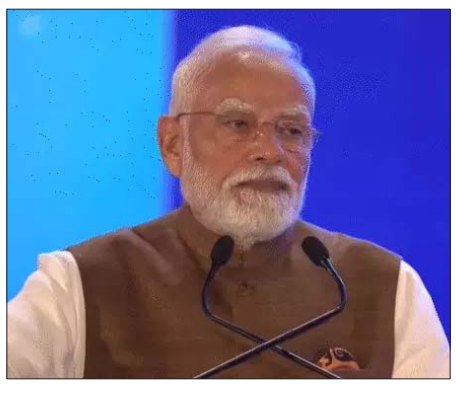

नई खोज और अनुसंधान पर भी जोर देना होगा, 4 बातें

- पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में इनोवेशन की परंपरा रही है। शून्य की खोज और नंबर सिस्टम का विकास भारत की वैज्ञानिक विरासत के उदाहरण हैं। अब इसी विरासत के दम पर नई तकनीकें विकसित करनी हैं।'
- 'AI कई नियमित काम कर सकता है, लेकिन इससे वैज्ञानिक सोच और सवाल पूछने की प्रवृत्ति कमजोर नहीं होनी चाहिए। देश को तकनीक अपनाने के साथ नई खोज और अनुसंधान पर भी जोर देना होगा।'
- 'भारत को AI, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा जैसी अहम तकनीकों में अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। लक्ष्य सिर्फ तकनीक इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि देश में समाधान विकसित करना भी है।'
- 'वैज्ञानिक अनुसंधान का मकसद सिर्फ बड़ी खोजें करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी जरूरतों को बेहतर बनाना भी है। तकनीक तभी उपयोगी है, जब उसका लाभ आम लोगों तक पहुंचे।'

लगातार तीसरे इवेंट में पीएम का नारा- वी विल डू इट

पीएम मोदी ने कहा, 'हमें अपने वैज्ञानिकों और संस्थानों को आज की जरूरतों के साथ भविष्य के लिए भी तैयार करना है। एआई, स्पेस और सेमीकंडक्टर ऐसे सेक्टर हैं जो फ्यूचर को शेप और सेफ करेंगे। इसलिए नई-नई कोशिशें की जा रही हैं।' इस दौर में साइबर सिक्योरिटी को लेकर भी नई परेशानियां आ रही हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित करना है जो देश को आगे बढ़ाए। इस कॉन्क्लेव में मौजूद सभी लोगों से मेरा आग्रह है कि वो एक लक्ष्य लें कि वह कौन सा टैलेंट विकसित करेंगे जिससे दुनिया को फायदा हो।

नहीं चाहती थी कि राजीव पीएम बनें : सोनिया गांधी

मेरी किताब आएगी तो तमाशा होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने कहा- जब राजीव गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जा रहा था, तब मैं इस फैसले के खिलाफ थीं। कभी नहीं चाहती थीं कि राजीव गांधी प्रधानमंत्री बनें। मेरी किताब आने पर कुछ 'तमाशा' जरूर होगा। दशकों से लोग मेरी कहानी बता रहे, अब मेरी बारी है अपनी कहानी बताने की। सोनिया गांधी पर लिखी गई किताब 'बिलॉनिंगः अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को रिलीज होगी। उन्होंने मंगलवार को X पर इसका नया वीडियो पोस्ट किया। यह X पर पिछले हफ्ते जुड़ने के बाद सोनिया गांधी की दूसरी पोस्ट है। वीडियो में वह किताब के पन्ने पलटते हुए अपनी कहानी खुद बताने की बात कहती हैं। सोनिया ने 5 दिन में सोशल मीडिया पर तीसरा वीडियो पोस्ट किया। 22 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर और 24 अक्टूबर को एक्स पर डेब्यू किया था। सोनिया ने कहा, बहुत सी बातें या तो मनगढ़ंत थीं या फिर उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

22.61 लाख अधिक किसान लाभान्वित, सपा सरकार के कार्यकाल में 14.87 लाख किसान हुए थे लाभान्वित

धान खरीद में योगी सरकार का बड़ा रिकॉर्ड

लाभ

- बीते चार साल में प्रदेश के 37.49 लाख किसानों को मिला धान खरीद का लाभ

2025-26 में सबसे ज्यादा किसान हुए लाभान्वित

साल 2022-23 में 10,95,197
2023-24 में 8,01,730
2024-25 में 7,98,731
2025-26 में 10, 53, 561

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में धान खरीद के आंकड़े योगी सरकार और पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल के बीच बड़ा अंतर दिखाते हैं। योगी सरकार के पिछले चार साल के कार्यकाल में 37,49,219 किसान धान खरीद से लाभान्वित हुए, जबकि समाजवादी पार्टी की सरकार के पांच साल के कार्यकाल में 14,87,519 किसानों को इसका लाभ मिला था। आंकड़ों के मुताबिक, योगी सरकार ने एक साल कम कार्यकाल में ही सपा शासन की तुलना में करीब 22.62 लाख अधिक किसानों को धान खरीद का लाभ पहुंचाया। खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों ने कहा कि धान खरीद व्यवस्था का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले चार वर्षों में 37.49 लाख से अधिक किसानों का लाभान्वित होना इस दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है। वर्ष 2025-26 में 10.53 लाख से अधिक किसानों को धान खरीद का लाभ मिला। योगी सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले और सरकारी खरीद प्रक्रिया अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पात्र किसानों तक योजना का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है।

किसानों तक सरकारी खरीद का लाभ पहुंचाने पर जोर

अधिक किसानों का लाभान्वित होना इस व्यवस्था की पहुंच का अहम संकेतक है। योगी सरकार के चार साल में 37.49 लाख से अधिक किसानों का लाभान्वित होना इसी विस्तार को रेखांकित करता है। वहीं, सपा सरकार के पांच साल में लाभान्वित किसानों की संख्या करीब 14.87 लाख रही थी।

पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 152% अधिक किसानों को मिला लाभ

पांच साल के मुकाबले चार साल में दोगुने से अधिक किसान लाभान्वित

धान खरीद से लाभान्वित किसानों की संख्या की तुलना करें तो योगी सरकार के चार साल का आंकड़ा सपा सरकार के पांच साल के आंकड़े से लगभग 2.52 गुना है। यानी योगी सरकार के कार्यकाल में सपा सरकार की तुलना में करीब 152 प्रतिशत अधिक किसान लाभान्वित हुए। यह आंकड़ा दर्शाता है कि कम अवधि में अधिक किसानों तक सरकारी खरीद व्यवस्था का लाभ पहुंचा। धान उत्पादक किसानों के लिए सरकारी खरीद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए एक संस्थागत माध्यम मिलता है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े कृषि प्रधान राज्य में धान खरीद केवल उपज खरीदने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसानों को बाजार उपलब्ध कराने और उनकी फसल के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का अवसर देने का भी माध्यम है।

नई दिल्ली में आयोजित 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच-2026 के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की अध्यक्षता एवं राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह जी की उपस्थिति में सहभागिता करते उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी।

फास्ट न्यूज

'10 लाख किसानों को दिए जा रहे दलहन-तिलहन के मिनीकिट'

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि रबी सत्र में किसानों को अनुदान पर 12 लाख क्विंटल बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही दलहन और तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए 10 लाख किसानों को निःशुल्क मिनीकिट दिए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने के साथ फसल उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना है।

मौरंग लदा ट्रैक्टर नहर में पलटा, मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार दोपहर मौरंग से लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई और अमौसी रजबहा नहर में पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चला रहे मंसाराम रावत (35) की मौत हो गई, जबकि साथ बैठा मजदूर रामबाबू (19) कूदकर बच गया। लोगों ने मंसाराम को नहर से निकालकर सरोजनीनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना सरोजनी-नगर में हुई। पुलिस के अनुसार, हादसा हाइडिल-नटकुर चंद्रावल रोड पर हुआ है। बिजनौर-गौरी रोड स्थित दुकान से मौरंग लेकर आ रहा था।

शराब के पैसे के लिए दोस्त को मार डाला था

लखनऊ । लखनऊ के कृष्णानगर में शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में युवक ने अपने दोस्त की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद पकड़े जाने के डर से आरोपी ने शव घर के बाहर कूड़े पर फेंक दिया था। पुलिस ने मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी राजेश रावत उर्फ काली को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

पीएसीएस कर्मचारियों का 6वें दिन भी धरना जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बी-पैक्स (PACS) सहकारी समितियों के कर्मचारियों का नियमित वेतन की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। लखनऊ के ईको गार्डन में 22 अक्टूबर से PACS कर्मचारी धरना दे रहे हैं। धरने के 6वें दिन मंगलवार को कर्मचारियों ने सरकार को 1 नवंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। उनका आरोप है कि 13 सालों से उन्हें वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि तय समय तक मांग पूरी नहीं हुई तो प्रदेशभर के समिति कर्मचारी सामूहिक इस्तीफा देकर घर बैठ जाएंगे।

उनका कहना है कि आयुक्त एवं निबंधक कार्यालय के अधिकारियों से वार्ता के बावजूद नियमित वेतन को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन या लिखित निर्णय नहीं मिला है। सरकारी समिति के अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान ने कहा कि कर्मचारियों की मुख्य मांग नियमित वेतन की है। सरकार वेतन का इंतजाम किस मद से करती है, इससे कर्मचारियों को कोई मतलब नहीं है। अरविंद सिंह चौहान ने कहा कि कर्मचारियों को दूसरी मांगों का हवाला देकर मुख्य मुद्दे से नहीं भटकाया जाना चाहिए। वर्षों से नियमित वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारी आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। कई कर्मचारियों का लाखों रुपये बकाया है, जबकि कुछ को दो से चार महीने का वेतन मिलने के बाद फिर भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आयुक्त एवं निबंधक कार्यालय के अधिकारी धरनास्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों से बातचीत की।

दीपोत्सव में दिखाई देती है श्री राम नगरी के पुनर्वैभव की सबसे मनोहारी अभिव्यक्तिः सीएम योगी

अयोध्या जी में हुआ विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया सूर्योदय : मुख्यमंत्री

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 के पश्चात प्रारम्भ हुए दीपोत्सव को लेकर अपने भाव व उत्साह प्रदेशवासियों से साझा किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्री अयोध्या धाम अपने 10वें भव्य-दिव्य दीपोत्सव के स्वागत में पुलकित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम की कृपा से वर्ष 2017 के बाद श्री अयोध्या जी में विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया सूर्योदय हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार के प्रयासों से रामनगरी अपने प्राचीन वैभव को पुनः प्राप्त कर रही है। भव्य-दिव्य श्री राम मंदिर, महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, सुसज्जित रामपथ, नव्य घाट, आधुनिक सुविधाएं और सोलर सिटी के रूप में विकसित होती अयोध्या आज आस्था और आधुनिकता की अद्भुत संगम स्थली बन चुकी है।

दीपोत्सव में दिखाई देती है श्री राम नगरी के पुनर्वैभव की सबसे मनोहारी अभिव्यक्ति मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राम नगरी के इस पुनर्वैभव की सबसे मनोहारी अभिव्यक्ति दीपोत्सव में दिखाई देती है। वर्ष 2017 में 1.71 लाख दीपों से प्रारंभ हुई दीपोत्सव की यात्रा आज देश-दुनिया के करोड़ों रामभक्तों की श्रद्धा और उत्साह का प्रतीक बन चुकी है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामभक्त दीप प्रज्ज्वलन का विश्व कीर्तिमान बनाने को तैयार हैं। यह दीपोत्सव उन पीढ़ियों के स्वप्नों का उजास है, जिन्होंने सदियों तक अपने राम की अयोध्या को त्रेतायुगीन स्वरूप में देखने की अभिलाषा संजोए रखी। आज इसका हर दीप तुष्टीकरण के अंधकार पर आस्था की विजय, सांस्कृतिक स्वाभिमान के उदय और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प बनकर प्रज्वलित हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर किया पोस्ट- सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्री अयोध्या धाम अपने 10वें भव्य-दिव्य दीपोत्सव के स्वागत में है पुलकित

श्री हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप करने वाली सरकार को 'राम की अयोध्या' के विकास से नहीं था मतलबः मुख्यमंत्री

सनातन संस्कृति के गौरव का उद्घोष करेगी हर लौ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव का वर्णन करते हुए लिखा कि लाखों दीपों की अलौकिक आभा से जगमगाते सरयू तट, रामायण के प्रसंगों को जीवंत करती मनोहारी झांकियां, भव्य शोभायात्राएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस महोत्सव में त्रेतायुग की स्मृतियों को फिर से जीवंत करेंगी। हर दीप प्रभु श्री राम के प्रति अगाध श्रद्धा का प्रतीक होगा और हर लौ हमारी सनातन संस्कृति के गौरव का उद्घोष करेगी।

2017 से पहले उपेक्षा, अव्यवस्था और बदहाली का दंश झेल रही थी प्रभु श्री राम की प्राणप्रिय नगरी

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर प्रहार किया, बताया- वर्ष 2017 से पहले प्रभु श्री राम की प्राणप्रिय नगरी अयोध्या जी उपेक्षा, अव्यवस्था और बदहाली का दंश झेल रही थीं। निर्दोष रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाली और पवित्र श्री हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप करने वाली सरकार को 'राम की अयोध्या' के विकास से क्या मतलब?

पूर्ण पारदर्शिता व शुचिता के साथ जारी हुआ विज्ञापन, अभ्यर्थियों से सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार से सचेत रहने की अपील

टीजीटी के 17,735 पदों में आरक्षण को लेकर निराधार दुष्प्रचार : चयन आयोग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक - टीजीटी) के 17,735 पदों पर निकाली गई भर्ती के संबंध में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों और भ्रामक दुष्प्रचार का उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया है कि विज्ञापित पदों पर आरक्षण व्यवस्था शासन के स्थापित नियमों और विहित व्यवस्था के अनुरूप पूर्णतः पारदर्शी तरीके से लागू की गई है। कतिपय अवांछित तत्वों एवं संस्थाओं द्वारा सोशल मीडिया व विभिन्न मंचों पर आरक्षण को लेकर किया जा रहा दुष्प्रचार तथ्यहीन और भ्रामक है। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के जनपदों में संचालित विभिन्न अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों से विद्यालयवार, विषयवार तथा श्रेणीवार/आरक्षण-वार रिक्त पदों को चिह्नित एवं संकलित कराकर आयोग को अधियाचन उपलब्ध कराया गया था। उत्तर प्रदेश में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय 'एकल इकाई' (सिंगल यूनिट) के रूप में मान्य हैं और संबंधित विद्यालय का प्रबंध तंत्र ही नियुक्ति प्राधिकारी होता है। अतः विद्यालय के एकल इकाई होने के कारण प्रत्येक विद्यालय में स्वीकृत पदों की संख्या के आधार पर ही आरक्षण के प्रचलित नियमों के तहत विद्यालयवार पदों का श्रेणीवार निर्धारण किया जाता है। यह आरक्षण पूरे प्रदेश या निदेशालय स्तर पर कुल पदों की समेकित संख्या पर लागू नहीं होता है। इसी नियमावली एवं वैधानिक व्यवस्था के तहत पूर्व में भी खोले गए और विभिन्न सरकारी योजनाओं के जरिए जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई गई। विपक्ष के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सरकार देश में बदलाव के लिए काम कर रही है और विपक्ष को भी इसमें सहयोग करना चाहिए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद पर भी रामदास अठावले ने अपनी बात रखी।

अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय 'एकल इकाई' के रूप में मान्य, विद्यालय स्तर पर ही लागू होते हैं आरक्षण के विहित नियम

शासन ने 'ई-ज्ञान गंगा-यूपी' पर भी स्पष्ट की वस्तुस्थिति

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इस संबंध में शासन द्वारा भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'E-Gyan Ganga-U.P.' पर तथ्यात्मक वस्तुस्थिति स्पष्ट कर दी गई है। उन्होंने प्रदेश भर के शिक्षक अभ्यर्थियों एवं सर्वसाधारण से अपील की है कि वे सोशल मीडिया अथवा किसी भी अनधिकृत स्रोत से प्रसारित की जा रही भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों पर तनिक भी विश्वास न करें और न ही ऐसी किसी निराधार पोस्ट को फॉरवर्ड या शेयर करें। भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी अधिकृत एवं प्रामाणिक जानकारी के लिए केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें।

(विज्ञापन संख्या- 01/2022 तथा 02/2022) भर्ती प्रक्रिया आयोग द्वारा शासन की मंशानुरूप पूर्ण शुचिता, निष्पक्षता और विहित प्राविधानों के अंतर्गत संपन्न कराई गई है।

2035 तक यूपी में 7.8 लाख ग्रीन रोजगार सृजित होंगे

नवीकरणीय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़ेंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हरित विकास के साथ उभर रहे रोजगार व उद्यमिता के अवसरों पर आयोजित कार्यशाला में कहा गया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे बदलाव से प्रदेश में वर्ष 2030 तक पांच लाख और 2035 तक 7.8 लाख ग्रीन रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नौकरियों के अवसर नवीकरणनीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी), ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, कचरा प्रबंधन के साथ ही कृषि वानिकी जैसे क्षेत्रों में बनेंगे। इन क्षेत्रों के लिए दक्ष कामगार तैयार करने के लिए 'उत्तर प्रदेश ग्रीन जाब्स एंड स्किलिंग मिशन' शुरू करने की सिफारिश की गई है।

मंगलवार को इंटरनेशनल फोरम फार इनवायरोमेंट स्टेनिबिल्टी एंड टेक्नालाजी (आइ-फारेस्ट) की ओर से राज्य परिवर्तन आयोग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण सुधार के प्रयासों को ग्रीन रोजगार से जोड़कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। वर्ष 2029-30 तक विश्व में इस क्षेत्र में 2.5 करोड़ नौकरियां सृजित होंगी।

- ग्रीन इकोनॉमी से चमकेगा यूपी, 2035 तक पैदा होंगे 7.8 लाख ग्रीन रोजगार
- ग्रीन जाब्स के लिए 'स्किलिंग मिशन' शुरू करने की सिफारिश

तैयारी : रामदास अठावले बोले- योगी-शाह से करेंगे बात, मुस्लिम समाज से कांग्रेस-सपा के बहकावे में न आने की अपील

'यूपी में बीजेपी से 8 से 10 सीटें मांगेगी आरपीआई'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (RPI) उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। केंद्रीय मंत्री और RPI के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने मंगलवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में 8 से 10 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग करेगी। साथ ही मुस्लिम समाज से कांग्रेस और सपा के बहकावे में न आने की अपील की है। अठावले इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को पूरे प्रदेश में मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई है। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की भूमिका और सीटों को लेकर चर्चा चल रही है। रामदास अठावले ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए सरकार ने काम किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में माफिया के खिलाफ कार्रवाई हुई और नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने यह भी कहा कि गरीबों के बैंक खाते

कांग्रेस और सपा पर लगाए आरोप

रामदास अठावले ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुस्लिम समाज को दोनों पार्टियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मुस्लिम समुदाय समेत सभी वर्गों को मिला है। सरकार किसी भी वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी को न्याय दिलाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि गरीबों को आवास, गैस सिलेंडर और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। विधवा महिलाओं को भी सरकारी योजनाओं से सहायता मिली है।

प्रदेश में संगठन मजबूत करने पर जोर

रामदास अठावले ने बताया कि लखनऊ में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि RPI उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक मौजूदगी मजबूत करना चाहती है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव में 8 से 10 सीटें देने की मांग करेगा।

जाति जनगणना पर राहुल गांधी से पूछे सवाल

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जाति जनगणना कराने की मांग पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब इस दिशा में कदम क्यों नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आठवले ने दावा किया कि सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की और ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिला।

राजधानी में भूख हड़ताल पर बैठे 68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी

बोले- नियुक्ति नहीं मिली तो कफन में घर जाएंगे, अंतिम सांस तक जारी रहेगा धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। 57 से दिनों से इको गार्डन में धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सरकार और अधिकारियों कि लापरवाही से घर परिवार छोड़कर धरना देना पड़ रहा है। ये प्रदर्शन अंतिम सांस तक जारी रहेगा। यदि यहां से नौकरी लेकर उठेंगे या कफन में घर जाएंगे।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि हम किसी भी त्योहार में घर नहीं जा पा रहे हैं। लगातार कई महीनों से हम नियुक्ति की मांग को लेकर अपना घर-परिवार छोड़कर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद भी हमारी कोई सुनने वाला नहीं है। उनका कहना है कि सभी नेता और अधिकारी भी मान रहे हैं कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण घोटाला हुआ है फिर भी नौकरी नहीं दी जा रही है। प्रदर्शन करने नसीम ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है।

3 महीने से घर छोड़कर कर रहे प्रदर्शन

प्रदर्शन कर रहे नवीन चौधरी ने कहा कि मुरादाबाद से आए हैं और 3 महीने से घर छोड़कर इको गार्डन में रह रहे हैं। इन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर भी घर नहीं गया उसके बाद दशहरा आया उसमें भी घर नहीं गया और अब दिवाली आने वाली है, अगर नियुक्ति नहीं मिली तो दिवाली पर भी घर नहीं जाएंगे। इन्होंने बताया कि परिवार में इनके अलावा सिर्फ बूढ़े माता-पिता है। कौन है अकेला छोड़कर मजबूरी में यहां पड़े हुए हैं। जब बुजुर्ग मां-बाप फोन करके पूछते हैं कि घर कब आओगे नौकरी कब तक लगेगी तो कोई जवाब नहीं रहता है सिर्फ आंसू निकलते हैं।

गोवर्धन पूजा से भैया दूज तक लगने वाले मेले की तैयारियों का लिया जायजा

एसडीएम व सीओ ने किया निरीक्षण

तैयारियां

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। दीपावली के अवसर पर सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर धाम में लगने वाले ऐतिहासिक मेले को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को रामनगर की उपजिलाधिकारी आकांक्षा गुप्ता, तहसीलदार विपुल सिंह और फतेहपुर के क्षेत्राधिकारी शक्ति सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मेले में होने वाली भीड़, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का जोर मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने और आयोजन को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए जरूरी इंतजाम समय से पूरे कर लिए जाएं। मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी रखने के निर्देश

अधिकारियों ने मेले के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम दुरुस्त रखने पर जोर दिया। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता रहेगी, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकें।

गोवर्धन पूजा से भैया दूज तक चलेगा मेला

हेतमापुर धाम में आयोजित होने वाला यह ऐतिहासिक मेला क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा है। हर वर्ष दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाले इस मेले की शुरुआत गोवर्धन पूजा से होती है और यह यम द्वितीया यानी भैया दूज तक चलता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और आसपास के क्षेत्रों से लोगों के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में मेले के आयोजन को लेकर प्रशासन ने पहले से ही व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी है।

श्रद्धालुओं की सुविधा पर रहेगा प्रशासन का ध्यान

हेतमापुर धाम मेले में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहा है। निरीक्षण के माध्यम से अधिकारियों ने तैयारियों की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। प्रशासन का उद्देश्य मेले को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

आशा कार्यकर्ताओं ने बकाया मानदेय के लिए आवाज उठाई

सीएमओ ऑफिस पहुंचकर नाराजगी जताई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले में आशा और संगिनी कार्यकर्ताओं ने बकाया मानदेय और प्रोत्साहन राशि का भुगतान न होने पर अपनी नाराजगी जताई है। मंगलवार को जाटा बरौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से जुड़ी कार्यकर्ता अपनी समस्याएं लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि जून 2026 का मासिक मानदेय और प्रोत्साहन राशि अब तक नहीं मिली है। करीब तीन महीने बीत जाने के बाद भी भुगतान लंबित होने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न कार्य करने के बावजूद समय पर भुगतान नहीं मिलने से घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम ने उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द बकाया भुगतान कराने के लिए जरूरी कदम उठाने का भरोसा दिया। आशा और संगिनी कार्यकर्ताओं के मुताबिक, जून 2026 का मासिक मानदेय और प्रोत्साहन राशि अब तक उनके खातों में नहीं पहुंची है।

भुगतान में देरी के कारण उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मानदेय उनके परिवारों की आर्थिक जरूरतों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में लंबे समय तक भुगतान अटका रहने से घरेलू खर्चों को संभालना मुश्किल हो रहा है। भुगतान नहीं होने से परेशान जाटा बरौली सीएचसी से जुड़ी आशा और संगिनी कार्यकर्ता मंगलवार को सीएमओ कार्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजन गौतम के सामने अपनी समस्याएं रखीं। कार्यकर्ताओं ने बकाया मानदेय और प्रोत्साहन राशि का जल्द भुगतान कराने की मांग की, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानी से राहत मिल सके। आशा और संगिनी कार्यकर्ता स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

फास्ट न्यूज

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

हरदोई। हरदोई जनपद के लोनार कोतवाली क्षेत्र में एक 32 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सोमवार की देर शाम अचानक पेट में तेज दर्द उठने के बाद परिजन विवाहिता को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे रात करीब 7:30 मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्षों में कोहराम मच गया।

भागवत सुनने गए युवक का शव कुएं में मिला

रायबरेली। भदोखर थाना क्षेत्र के पकरा अमीरन पुर गांव में एक युवक का शव कुएं में मिला। युवक रविवार शाम गांव के ही पकरा गिरफ्ता मुहल्ले में भागवत कथा सुनने गया था। रातभर घर न लौटने पर पिता सुरेश कुमार ने भदोखर थाने में बेटे अमित की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। सोमवार रात करीब 9 बजे शव मिलने के बाद गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों में चीख-पुकार मच गई और ग्रामीणों ने पुलिस के प्रति गुस्सा जताया। पुलिस बल गांव पहुंचा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

महराजगंज में वैगनआर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रायबरेली। रायबरेली के महराजगंज में एक सड़क हादसे में बाइक सवार रामदयाल की जान चली गई। सोथी गांव के पास तेज रफ्तार वैगनआर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मारी थी।
अमेठी के बघउना नारकोट निवासी प्रेम कुमार ने पुलिस को बताया कि 10 अक्टूबर की शाम उनके साले रामदयाल पड़ोसी की मोटर-साइकिल पर ससुराल मर्दानपुर जा रहे थे।

स्कूल में 4 साल की बच्ची से हैवानियत

खून से सने थे मासूम के कपड़े, डॉक्टर बोली- प्राइवेट पार्ट में सूजन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली 4 साल की बच्ची के साथ हैवानियत हुई है। उसके प्राइवेट पार्ट से ब्लीडिंग हो रही थी। कपड़े खून से सने हुए थे। घर वाले स्कूल पहुंचे तो बच्ची की स्थिति देखकर दंग रह गए। यह पूरा मामला जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर फतेहपुर इलाके का है। बच्ची की मां की शिकायत पर कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने स्कूल के प्रिंसिपल वीरेंद्र वर्मा समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मां ने स्कूल प्रबंधन पर घटना की जानकारी छिपाने, सबूत मिटाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। बच्ची की मां के मुताबिक, 5 अगस्त 2026 को उनकी बेटी रोज की तरह स्कूल गई थी। सुबह करीब 11:40 बजे उनके मोबाइल पर स्कूल से फोन आया और बच्ची के कपड़े लेकर आने को कहा गया। उन्होंने फोन करने वाले से बच्ची के बारे में पूछा, लेकिन फोन काट दिया गया। इसके बाद वह कपड़े लेकर स्कूल पहुंचीं तो बच्ची की पैंट पर काफी खून लगा हुआ था। यह देखकर वह घबरा गईं। मां ने जब क्लास टीचर से इस बारे में पूछा तो उन्हें बताया गया कि क्लास में कुछ नहीं हुआ, बच्ची बाथरूम गई थी और बाहर इस हालत में निकली।

फर्जी डिग्री वाली नर्स पर कार्रवाई अटकी

12.99 लाख वेतन वसूली और एफआईआर के लिए सीएमओ ने एजेंसी को लिखा पत्र

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के जिला महिला अस्पताल में एक नर्स ने करीब छह साल तक फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी की। जांच में प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने पर आउटसोर्सिंग एजेंसी ने उसकी सेवाएं खत्म कर दीं। हालांकि, आरोपी पर FIR और 12.99 लाख रुपये के वेतन वसूली का मामला अभी अटका है। कानपुर की सपना अग्रवाल को 2020 में मेसर्स आशीष इंटरप्राइजेज एजेंसी ने नर्स के तौर पर नियुक्त किया था। कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अरविंद आनंद को दस्तावेजों पर शक हुआ। सत्यापन में सपना की जीएनएम डिग्री और पंजीकरण फर्जी निकला। 8 अप्रैल को उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने मामले का संज्ञान लिया था। उन्होंने सीएमओ को आरोपी पर FIR दर्ज कराने और 2020 से 2026 तक दिए गए 12,99,918 रुपये के वेतन की ब्याज सहित वसूली के निर्देश दिए। सीएमएस का आरोप है कि सीएमओ स्तर से कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए उन्होंने सीडीओ से हस्तक्षेप मांगा। सीएमओ का कहना है कि एजेंसी को FIR के लिए पहले ही लिखा जा चुका है। निरीक्षण के लिए आईं महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने भी मामले का संज्ञान लिया था। हालांकि, सीएमएस पर लगाए गए आरोप और फर्जी अभिलेखों से संबंधित मामला अलग-अलग जांच के विषय हैं। दोनों मामलों में निष्कर्ष संबंधित जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही निकाला जाना है। मंगलवार को सीएमओ डॉ. अजय शर्मा ने प्रकरण में अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि जिले के सीएमओ होने के नाते उनकी नैतिक जिम्मेदारी थी, जिसके तहत वह पहले ही पत्र भेज चुके हैं। अब एजेंसी ने एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं, इसकी जानकारी संबंधित स्तर पर ली जानी चाहिए।

प्रकरण को लंबित रखे जाने पर नाराजगी

सीएमएस ने पत्र में प्रकरण को लंबित रखे जाने पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि फर्जी अभिलेखों के आधार पर नौकरी करने का मामला सामने आने के बाद संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सरकारी धन की वसूली की जानी चाहिए। इस प्रकरण में उस समय नया मोड़ आ गया था, जब कार्रवाई से बचने के लिए स्टाफ नर्स ने सीएमएस पर यौन शोषण के आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी और महिला आयोग से शिकायत की थी।

> **सीएमओ ने यह भी कहा कि पत्र आने के अगले दिन ही एजेंसी को कार्रवाई के लिए लिख दिया गया था। उनके अनुसार, सीएमएस को एजेंसी से कार्रवाई की स्थिति की जानकारी लेकर आगे की प्रक्रिया सुनिश्चित करनी चाहिए। सीडीओ कृतिराज ने बताया कि सीएमएस का पत्र मिलने के बाद प्रकरण को संज्ञान में लिया गया है।**

एफआईआर निश्चित कराने के लिए कहा

उन्होंने बताया कि मामला उनके कार्यभार संभालने से पहले का है और उनके सामने आने के बाद उन्होंने संबंधित आउटसोर्सिंग एजेंसी को पत्र भेजकर नियमानुसार एफआईआर सुनिश्चित कराने के लिए कहा था। सीएमओ के मुताबिक, संबंधित स्टाफ नर्स की तैनाती आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से हुई थी और वह सीएमएस के अधीन जिला महिला अस्पताल में काम कर रही थी।

फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, एसपी ऑफिस पहुंचीं

महिला ने भतीजे से मांगी सुरक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की निवासी एक महिला ने अपने भतीजे पर सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र टिप्पणी करने, चरित्र पर सवाल उठाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मंगलवार को पीड़िता गीता तिवारी अपनी शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों से मामले में कार्रवाई करने के साथ ही अपनी और परिवार के अन्य सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। महिला का आरोप है कि भतीजे की ओर से फेसबुक पर लगातार आपत्तिजनक पोस्ट की जा रही हैं, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

गीता तिवारी का कहना है कि उनका भतीजा मनीष कुमार उनसे रंजिश रखता है। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते वह फेसबुक के माध्यम से उनके खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां करता है। महिला के मुताबिक, सोशल मीडिया पर की जा रही इन टिप्पणियों में उनके चरित्र पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इससे उन्हें मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। महिला ने आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। इस कारण उन्हें परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है। मंगलवार को वह एसपी कार्यालय पहुंचीं और अधिकारियों को अपनी शिकायत से अवगत कराया। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने और परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। गीता तिवारी की शिकायत पर अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। फिलहाल महिला की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच और पुलिस की कार्रवाई से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

कई थानों में मुकदमे दर्ज होने का दावा

गीता तिवारी के मुताबिक, मनीष के खिलाफ माखी थाने में वर्ष 2018 और 2025 में, उन्नाव कोतवाली में वर्ष 2018 में और गंगाघाट कोतवाली में भी मुकदमे दर्ज हैं। उनका दावा है कि इन मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और मनीष के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

पहले भी शिकायत करने की बात कही

गीता तिवारी ने बताया कि वह इस मामले में पहले भी कई बार शिकायत कर चुकी हैं। मंगलवार को एसपी ऑफिस पहुंचकर उन्होंने अधिकारियों के सामने अपनी समस्या रखी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की। गंगाघाट थाना अध्यक्ष अजय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिना जुर्म 6 साल जेल में रखने पर एससी सख्त

> **यूपी सरकार को आगरा के युवक को 6 लाख मुआवजा देने के दिया आदेश**

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। सुप्रीम कोर्ट ने अपहरण और हत्या के एक मामले में जांच की गंभीर खामियों पर नाराजगी जताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को अरुण उर्फ दीपक को 6 लाख रुपए क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। दीपक करीब छह साल तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में रहा, लेकिन सुनवाई पूरी होने के बाद बरी हो गया।

कोर्ट ने सरकार को एक महीने के भीतर रकम देने को कहा है। ऐसा नहीं होने पर 18 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज देना होगा। न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह आदेश आगरा जिले के अछनेरा थाने में 2019 में दर्ज अपहरण और हत्या के मामले में दिया। कोर्ट ने पाया कि दीपक के खिलाफ आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं थे, इसके बावजूद उसे लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा। पीठ ने पुलिस की जांच और अभियोजन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों को सही जांच प्रक्रिया का प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए।

हाटना : भगवंतनगर से लौट रहे पिता-पुत्री की मौके पर मौत, चालक फरार

ट्रक-डंपर ने बाइक को मारी टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के बिहार थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्री की मौत हो गई। बक्सर-सुमेरपुर मार्ग पर सुमेरपुर हाता गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक-डंपर ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता और उनकी 17 वर्षीय बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भगवंतनगर से रायबरेली स्थित अपने घर लौट रहे थे। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक-डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवार में शोक छा गया। मृतकों की पहचान रायबरेली जिले के खीरो थाना क्षेत्र के जगतपुर रामगढ़ी गांव निवासी पंकज कुमार (40) और उनकी बेटी वर्षा विश्वकर्मा (17) के रूप में हुई है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटना की सूचना पुलिस को डायल 112 के माध्यम से दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके पर मिली बाइक के नंबर UP 35 AS 5293 के आधार पर मृतकों की पहचान की। इसके बाद परिजनों को हादसे कीसूचना दे दी गई। पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजने की प्रक्रिया में जुटी रही। हादसे के कारण मार्ग पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। इसी दौरान बिहार थाना क्षेत्र के सुमेरपुर हाता गांव के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक-डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिता-पुत्री सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें लगने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पीछे से डंपर की टक्कर, मौके पर गई दोनों की जान

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे पंकज कुमार अपनी बेटी वर्षा विश्वकर्मा के साथ बाइक से जा रहे थे। वे बक्सर-सुमेरपुर मार्ग से होते हुए रायबरेली स्थित अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिहार थाना क्षेत्र के सुमेरपुर हाता गांव के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक-डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिता-पुत्री सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटें लगने के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

फरार चालक और वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

हादसे के बाद ट्रक-डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। दुर्घटना के कारणों और फरार वाहन की पहचान के लिए आवश्यक जांच की जा रही है। पिता-पुत्री की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

फैमिली आईडी में लापरवाही पर बीडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि

डीएम ने दी कड़ी चेतावनी, कहा- अगली समीक्षा में सुधार मिलना चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में फैमिली आईडी बनाने की कम प्रगति पर डीएम घनश्याम मीना ने नाराजगी जताई। उन्होंने फतेहपुर चौरासी के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में सभी बीडीओ के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक में डीएम ने साफ किया कि इस जरूरी काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने अन्य ब्लॉकों की प्रगति पर असंतोष जताया और जल्द सुधार लाने की चेतावनी दी।

समीक्षा में डीएम ने फतेहपुर चौरासी के बीडीओ को फटकार लगाई और तुरंत प्रतिकूल प्रविष्टि देने को कहा। उन्होंने अन्य बीडीओ को भी काम में सुधार लाने के निर्देश दिए। डीएम ने चेतावनी दी कि अगली समीक्षा तक सुधार न होने पर अन्य अधिकारियों पर भी कड़ी कार्रवाई होगी। डीएम ने सभी बीडीओ को फैमिली आईडी के काम को गंभीरता से करने और रोज समीक्षा करने को कहा। रुके हुए मामलों को पहचान कर समय पर निपटाने के निर्देश दिए। यह शासन की प्राथमिकताओं और सीएम डैशबोर्ड की खास बातों में से एक है।

सम्पादकीय

बचकानी राजनीति

दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों के प्रमुख संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल गांधी से विपक्षी दलों की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को टालने का जो अनुरोध किया था, उसे उन्होंने ठुकरा कर संवेदनहीनता और हठधर्मी का ही परिचय दिया। यह संगठन बस इतना चाह रहा था कि रैली भाई दूज के बाद की जाए, ताकि वे नुकसान से बच सकें। राहुल गांधी और उनके सहयोगी-साथी इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि धनतेरस एवं दीवाली के पहले बड़े पैमाने पर खरीदारी होती है। उन्हें इसका भी आभास होना चाहिए था कि दिल्ली के कुछ इलाकों और खासकर कनाट प्लेस के व्यापारी कांग्रेस और काकरोच जनता पार्टी के अनवरत धरना-प्रदर्शन से पहले ही नुकसान उठा चुके हैं। समस्या केवल यह नहीं कि राहुल ने व्यापारियों के अनुरोध पर तनिक भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई, बल्कि यह भी है कि उन्होंने उनके पत्र के तीन दिन बाद अपनी निष्ठुर प्रतिक्रिया में यह कहा कि उन्हें पीएम मोदी से मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने को कहना चाहिए। इसे बचकानेपन के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। राहुल अच्छे से जानते हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल महाभियोग के जरिये हटाया जा सकता है और उसे संसद से पारित कराने की उनमें सामर्थ्य नहीं। वास्तव में इसीलिए वे कुतर्कों के सहारे यह माहौल बना रहे कि प्रधानमंत्री उनके झूठे आरोपों के कारण उन्हें हटा दें। यह राजनीतिक अपरिपक्वता की पराकाष्ठा ही है।

वोट चोरी का राहुल गांधी का शिगूफा भी झूठ पर ही टिका है। वे और अन्य विपक्षी नेता वोट चोरी का झूठ कितना ही दोहराएं, वे इसे सच सिद्ध करने में नाकाम हैं। राहुल वोट चोरी का तबसे शोर मचा रहे, जबसे बिहार में एसआईआर हुआ था, लेकिन वे अपने पक्ष में जनमत बनाने में समर्थ नहीं हुए। इसी से वे खीझे हुए हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि झूठ के पांव नहीं होते। वे झूठ के सहारे कई बार अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन उनकी दाल नहीं गली।

एसआईआर को वोट चोरी कहने के पहले राहुल और उनके साथियों ने ईवीएम को निशाने पर लिया था, लेकिन नाकाम ही रहे। जिस कथित वोट चोरी का आरोप लगाकर वे मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा मांग रहे हैं, उसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो रही है और एक याचिका तो खुद उन्होंने दायर कर रखी है। आखिर वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या इसलिए कि वे अच्छे से जान रहे हैं कि वोट चोरी का आरोप झूठा है। हैरानी नहीं कि यदि एसआईआर की सुनवाई कर रहा सुप्रीम कोर्ट राहुल के मन का फैसला न दे तो वे उस पर भी चढ़ाई कर दें। उनके याचिका दाखिल करने के तरीके से यह स्पष्ट भी हुआ था।

चक्रवात 'अर्नब' और उत्तर दक्षिण पर इसका दोहरा असर

प्रकृति किसी राज्य की भौगोलिक सीमा या राजनैतिक विचारधारा को देखकर अपना रुख तय नहीं करती। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात 'अर्नब' इस शाश्वत सत्य का सबसे ताज़ा और प्रत्यक्ष प्रमाण बनकर उभरा है। 26 अक्टूबर 2026 को गहरे कम दबाव के क्षेत्र से एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हुआ 'अर्नब' भारत के संघीय और भौगोलिक परिदृश्य को एक अनूठे संकट में डाल रहा है। पारंपरिक रूप से यह माना जाता रहा है कि चक्रवातों का प्रकोप केवल तटीय राज्यों तक ही सीमित रहता है, लेकिन 'अर्नब' की प्रकृति और इसका आगे का मार्ग इस धारणा को पूरी तरह ध्वस्त करता है। यह संकट न केवल आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे दक्षिणी व पूर्वी तटीय राज्यों को अपनी चपेट में ले रहा है, बल्कि इसके अवशेष उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली-NCR और उत्तर प्रदेश तक पहुँचकर एक बड़ा मौसमी उलटफेर करने जा रहे हैं। यह स्थिति 'एक देश, एक संकट' के उस स्वरूप को रेखांकित करती है, जहाँ दक्षिण की लहरें उत्तर के आसमान को बदलने की ताकत रखती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवात 'अर्नब' 28 अक्टूबर 2026 की सुबह आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के बीच, विशेषकर बापटला और विशाखापत्तनम के पास लैंडफॉल (तट से टकराना) करने जा रहा है। इस दौरान तटीय क्षेत्रों में हवा की गति 115-125 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 140 किलोमीटर प्रति घंटे के तूफानी झोंकों तक पहुँचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों और पड़ोसी राज्य ओडिशा में 'रेड' और 'ऑरेंज' अलर्ट जारी कर दिए गए हैं। समुद्र में उठने वाली 5 मीटर से ऊँची लहरें और तटीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचा सकती हैं। दक्षिण तट रेलवे द्वारा एहतियातन 53 से अधिक ट्रेनों को रद्द करना और चिल्का झील में नौका सेवाओं को पूरी तरह सस्पेंड करना इस बात का संकेत है कि प्रशासन किसी भी स्तर पर ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

अशोक भाटिया

करवा चौथः आस्था, प्रेम और समर्पण का पर्व

> 66 करवा चौथ की आध्यात्मिक महत्ता को समझने के लिए उसकी लोकप्रचलित व्रत-कथाओं और भारतीय पौराणिक आख्यानों के भावलोक में प्रवेश करना आवश्यक है। इस पर्व से संबद्ध वीरवती की कथा श्रद्धा, धैर्य और संकल्प की मार्मिक अभिव्यक्ति है।

भारतीय संस्कृति की आत्मा आस्था में, जीवन की मधुरिमा प्रेम में और पारिवारिक संबंधों की दृढ़ता परस्पर विश्वास में निहित है। यहां पर्व-त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, अपितु जीवन-मूल्यों के संवाहक, सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक और मानवीय संवेदनाओं के अभिव्यक्तिपर्व हैं। करवा चौथ ऐसा ही एक विशिष्ट पर्व है, जिसमें नारी की अटूट श्रद्धा, दांपत्य प्रेम की अनन्य अनुभूति, अखंड सौभाग्य की मंगलकामना और भारतीय लोकसंस्कृति की अनुपम छटा एकाकार हो उठती है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला यह व्रत भारतीय जनमानस में पति की दीर्घायु, दांपत्य जीवन की सुख-समृद्धि तथा पारिवारिक मंगल की कामना से संबद्ध है। चंद्रदर्शन, पूजन और अर्घ्यदान के साथ संपन्न होने वाली यह परंपरा प्रेम को साधना, विश्वास को संबल और समर्पण को जीवन की उदात्त अनुभूति में रूपांतरित करती है।

लोकमान्यता के अनुसार, वीरवती अपने भाइयों की अत्यंत प्रिय बहन थी। विवाहोपरांत उसने अपने पति की मंगलकामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। दिनभर निर्जल उपवास के कारण उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई। बहन की व्याकुलता देखकर भाइयों ने कृत्रिम चंद्रमा का आभास उत्पन्न कर उसे व्रत खोलने के लिए प्रेरित किया। असमय व्रत खोलने के पश्चात उसके पति पर विपत्ति आने का प्रसंग कथा में वर्णित है। पश्चात्ताप से व्याकुल वीरवती ने पुनः श्रद्धापूर्वक व्रत का अनुष्ठान किया और अपने अटूट विश्वास के साथ पति के कल्याण की कामना की। अंततः उसके पति के जीवन से संकट दूर होने की कथा प्रचलित हुई। इस आख्यान का मूल संदेश श्रद्धा, धैर्य और निष्ठा की महत्ता में निहित है। यह कथा लोकविश्वास की संवेदनशील धरोहर है, जिसका उद्देश्य आस्था के प्रति समर्पण और संकल्प की दृढ़ता को प्रतिष्ठित करना है।

भारतीय महाकाव्य परंपरा में सावित्री और सत्यवान का आख्यान नारी के अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा और प्रेम की अमरता का अप्रतिम उदाहरण है। महाभारत के वनपर्व में वर्णित इस कथा के अनुसार, सावित्री को ज्ञात था कि उसके पति सत्यवान की आयु अल्प है, किंतु उसने अपने निर्णय से विचलित होना स्वीकार नहीं किया। नियत समय पर जब यमराज सत्यवान के प्राण लेकर चले, तब सावित्री अपने विवेक, तर्कशीलता और अटूट संकल्प के साथ उनके पीछे चल पड़ी। उसकी धर्मसम्मत वाणी, निष्ठा और प्रज्ञा से प्रसन्न होकर यमराज ने उसे वरदान दिए और अंततः सत्यवान के जीवन की पुनर्प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। यद्यपि सावित्री-सत्यवान का आख्यान करवा चौथ की विशिष्ट व्रत-कथा नहीं है, तथापि उसका मूल भाव इस पर्व की आध्यात्मिक चेतना से साम्य रखता है। दोनों प्रसंग यह उद्घोषित करते हैं कि प्रेम केवल भावुकता नहीं, बल्कि धैर्य, विवेक, निष्ठा और आत्मबल से अनुप्राणित जीवन-संकल्प है।

करवा चौथ की सांस्कृतिक छटा भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मीयता को भी उजागर करती है। प्रातःकाल सरगी ग्रहण करने से लेकर संध्या में पूजन, व्रत-कथा श्रवण, करवा पूजन और चंद्रदर्शन के पश्चात अर्घ्य अर्पित करने तक प्रत्येक परंपरा में पारिवारिक सहभागिता तथा सामूहिक मंगलकामना का भाव विद्यमान रहता है। सास-बहू के बीच स्नेह, बहनों का अपनत्व, सुहागिनों का सामूहिक पूजन और लोकगीतों की मधुर स्वर-लहरियां इस पर्व को विशिष्ट सांस्कृतिक गरिमा प्रदान करती हैं। पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते संस्कार, लोकाचार और पारिवारिक स्मृतियां इस उत्सव के माध्यम से जीवंत बनी रहती हैं। लोकगीतों में अभिव्यक्त विरह, प्रतीक्षा, अनुराग और मंगलकामना भारतीय लोकजीवन की संवेदनशीलता तथा भावसमृद्धि का परिचय देते हैं। इस पर्व में चंद्रमा का विशेष आध्यात्मिक महत्त्व है। भारतीय परंपरा में चंद्रमा शीतलता, सौम्यता, मन की निर्मलता और भावनात्मक संतुलन का प्रतीक माना गया है। दिनभर की प्रतीक्षा के पश्चात जब व्रती चंद्रमा के दर्शन करती है, तब वह अपनी श्रद्धा, प्रेम और मंगलकामना को एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करती है। छलनी से चंद्रमा और तत्पश्चात पति का मुख निहारने की परंपरा दांपत्य जीवन की आत्मीयता को साकार करती है। इस क्षण में केवल अनुष्ठान की पूर्णता नहीं, बल्कि जीवनसाथी के स्वास्थ्य, सुख, सान्निध्य और दीर्घ सहचर्य की कामना भी अंतर्निहित रहती है। चंद्रमा की शीतल आभा मानो संबंधों में माधुर्य, जीवन में संतुलन और परिवार में सौहार्द बनाए रखने का संदेश देती है। समय के प्रवाह के साथ करवा चौथ के स्वरूप में परिवर्तन आया है। आज यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक मिलन, सांस्कृतिक उत्सव और दांपत्य संबंधों के नवीकरण का अवसर भी बन गया है। तथापि इसकी सार्थकता केवल वस्त्राभूषण, उपहार और बाह्य आडंबर तक सीमित नहीं होनी चाहिए। व्रत का वास्तविक महत्त्व तभी है, जब वह अंतःकरण में पवित्रता, व्यवहार में संवेदनशीलता और संबंधों में परस्पर सम्मान का संचार करे। उपवास की आध्यात्मिक गरिमा आत्मसंयम, करुणा और उत्तरदायित्व की भावना से पुष्ट होती है। आस्था का सौंदर्य बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि उस आंतरिक परिवर्तन में निहित है, जो मनुष्य को अधिक सहृदय, संयमी और संवेदनशील बनाता है।

समकालीन सामाजिक परिप्रेक्ष्य में यह स्वीकार करना भी आवश्यक है कि दांपत्य जीवन की मधुरता किसी एक पक्ष के त्याग अथवा कर्तव्य पर निर्भर नहीं करती। भारतीय संस्कृति में गृहस्थाश्रम को धर्मपूर्ण जीवन का महत्त्वपूर्ण आधार माना गया है, जिसमें पति-पत्नी दोनों की सहभागिता, परस्पर सहयोग और उत्तरदायित्व समान रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। करवा चौथ का व्यापक सामाजिक संदेश यह भी है कि पति अपनी पत्नी की भावनाओं का सम्मान करे, उसके स्वास्थ्य और सुख का ध्यान रखे तथा जीवन के प्रत्येक संघर्ष में उसका सहचर बने। पत्नी का समर्पण भी उसके आत्मसम्मान, विवेक और स्वतंत्र व्यक्तित्व के साथ प्रतिष्ठित होना चाहिए। परस्पर विश्वास, समानुभूति और सम्मान से अनुप्राणित दांपत्य ही परिवार को स्थायित्व तथा समाज को संवेदनशीलता प्रदान करता है। आस्था के साथ विवेक का समन्वय भी अनिवार्य है। उपवास प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य के अनुरूप होना चाहिए। अस्वस्थता अथवा किसी विशेष चिकित्सकीय परिस्थिति में कठोर निर्जल उपवास के स्थान पर स्वास्थ्यसम्मत निर्णय लेना ही श्रेयस्कर है। धर्म का मूल उद्देश्य जीवन का कल्याण है; अतः श्रद्धा और विवेक का संतुलन ही धार्मिक आचरण को सार्थक बनाता है। वस्तुतः करवा चौथ भारतीय संस्कृति की उस अविरल धारा का प्रतीक है, जिसमें प्रेम साधना बनता है, विश्वास संबल प्रदान करता है और पारिवारिक संबंध जीवन की अमूल्य निधि बन जाते हैं। वीरवती की लोककथा श्रद्धा एवं धैर्य की प्रेरणा देती है, जबकि सावित्री का आख्यान निष्ठा, प्रज्ञा और संकल्प की महिमा का उद्घोष करता है।

-कुंवर शील वर्धन प्रताप नारायण सिंह

ब्रिक्स संसदीय मंच...

ललित गर्ग

ब्रिक्स संसदीय मंच है शांति और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था का संकल्प

आज जब दुनिया युद्धों, क्षेत्रीय संघर्षों, आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद, व्यापारिक तनाव और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से घिरी हुई है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सार्थकता केवल कूटनीतिक घोषणाओं में नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में निहित है। ऐसे समय में 26-27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के संविधान सदन में आयोजित 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच वैश्विक लोकतांत्रिक संवाद, जन-केंद्रित विकास और बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आया है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि दुनिया की समस्याओं का स्थायी समाधान टकराव, वर्चस्व और संकीर्ण राष्ट्रीय हितों में नहीं, बल्कि संवाद, सहमति और साझा जिम्मेदारी में निहित है। इस संसदीय मंच का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश है कि विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सम्मान, सुरक्षा, अवसर और खुशहाली सुनिश्चित करना है। सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि, तकनीकी प्रगति, व्यापार का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। विकास की चमक के बीच यदि गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक वंचना बनी रहती है, तो प्रगति का दावा अधूरा है। इसलिए जन-केंद्रित विकास की अवधारणा आज वैश्विक नीतियों की अनिवार्य कसौटी बननी चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित को प्राथमिकता देने पर बल इसी दृष्टि से विशेष प्रासंगिकता रखता है। संसद लोकतंत्र की आत्मा है। वह केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, पीड़ाओं, अधिकारों और अपेक्षाओं की प्रतिनिधि है। सांसदों का दायित्व सरकारों के निर्णयों का समर्थन करना भर नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करना, जनहित के प्रश्न उठाना और सत्ता को जवाबदेह बनाए रखना भी है। जब विभिन्न देशों के निर्वाचित प्रतिनिधि एक मंच पर बैठकर अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तब संसदीय लोकतंत्र की शक्ति राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक कल्याण का माध्यम बन सकती है। इस मंच की प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है कि वर्तमान विश्व व्यवस्था अनेक विरोधाभासों से जूझ रही है। एक ओर विज्ञान, संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व क्षमताएँ प्रदान की हैं, वहीं दूसरी ओर युद्धों, अविश्वास, हथियारों की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक विषमताओं ने मानवता के भविष्य को अनिश्चित बनाया है। ऐसे वातावरण में सांसदों का साझा दायित्व है कि वे अपने-अपने देशों की नीतियों को मानवीय संवेदनाओं, शांति और न्याय के व्यापक उद्देश्यों से जोड़ें। संसदों के बीच संवाद कार्यपालिका की कूटनीति को जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से समृद्ध करता है और अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करता है।

ब्रिक्स संसदीय मंच के चार प्रमुख आधार-संस्थागत लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास-भविष्य की वैश्विक राजनीति के लिए विशेष महत्त्व रखते हैं। संस्थागत लचीलापन लोकतांत्रिक संस्थाओं को संकटों के बीच भी सक्षम और उत्तरदायी बनाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के उपयोग में नैतिकता, पारदर्शिता तथा मानवीय हितों की रक्षा आवश्यक है, ताकि तकनीक सुविधा का माध्यम बने, असमानता और नियंत्रण का नहीं। इसी प्रकार सतत विकास का अर्थ आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना है। जलवायु संकट का सामना कोई देश अकेले नहीं कर सकता, इसके लिए संसाधनों, ज्ञान और उत्तरदायित्व का न्यायपूर्ण बँटवारा जरूरी है। इस सम्मेलन का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष ग्लोबल साउथ अर्थात विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली बनाना है। विश्व की बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है, लेकिन वैश्विक वित्तीय व्यवस्था, व्यापारिक नियमों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उनकी अपेक्षाओं को हमेशा पर्याप्त स्थान नहीं मिला है। खाद्य सुरक्षा, उर्वरक उपलब्धता, ऊर्जा की सुलभता, ऋण का बोझ और विकास के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं।

उत्तर प्रदेश में ...

सरिता वर्मा

प्रदेश में टेक्सटाइल और विनिर्माण क्षेत्र के विकास में मुंबई के उद्योग जगत का मिलेगा साथ

टेक्सटाइल, परिधान और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की नई संभावनाएं तलाशने के लिए उत्तर प्रदेश ने देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ संवाद तेज कर दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का ध्येय है कि पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़कर उच्च मूल्यवर्धित विनिर्माण, आधुनिक प्रसंस्करण और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित किया जायेगा। इसी क्रम में मुंबई में आयोजित उद्योग गोलमेज बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश और कारोबारी विस्तार की संभावनाओं पर विशेष मंथन हुआ है। इस बैठक में विभिन्न औद्योगिक समूहों और विनिर्माण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, मौजूदा कारोबार के विस्तार और टेक्सटाइल क्षेत्र में नई गतिविधियों को बढ़ावा देने से जुड़े पहलुओं पर विचार किया गया। साथ ही, उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कंपनियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

उत्तर प्रदेश में कपड़ा और परिधान उद्योग को व्यापक औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। टेक्सटाइल प्रसंस्करण, तकनीकी वस्त्र, उन्नत सामग्री, उत्पाद विकास और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश से उत्पादन की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में संभावनाओं का विस्तार करने पर जोर दिया गया।

लखनऊ के निकट प्रस्तावित पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क को इस दिशा में महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। एकीकृत औद्योगिक सुविधाओं के विकास से कपड़ा उत्पादन, प्रसंस्करण और अन्य संबंधित गतिविधियों को एक ही औद्योगिक परिवेश में विकसित करने में मदद मिल रही है। इससे उद्योगों को अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और बाजार की मांग के अनुरूप कारोबार का विस्तार करने का अवसर मिलेगा। टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश बढ़ने का असर संबंधित उद्योगों पर भी पड़ेगा। कच्चे माल की आपूर्ति, पैकेजिंग, परिवहन और अन्य सहायक गतिविधियों में मांग बढ़ने से छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे औद्योगिक विकास के साथ रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। प्रदेश सरकार ने निवेशकों की अपेक्षाओं, परिचालन संबंधी जरूरतों और कारोबार विस्तार में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों के निस्तारण की जानकारी दी। औद्योगिक भूमि की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे, नीतिगत प्रोत्साहनों और निवेशक सहायता से जुड़े विषय प्रमुख रहे। कंपनियों की जरूरतों को समझकर निवेश संबंधी सुविधाओं को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया गया। निवेश आकर्षित करने के लिए केवल प्रोत्साहन नीतियां पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि औद्योगिक भूमि, परिवहन संपर्क, जरूरी बुनियादी सुविधाओं और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होती है।

जरा हटके

वैज्ञानिक देखरेख ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

हरदोई में केले की वैज्ञानिक खेती ने खोला किसानों की आर्थिक समृद्धि का नया मार्ग

उत्तर प्रदेश में पारम्परिक खेती के स्थान पर विविधीकरण को गति देने और कृषकों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा 'एकीकृत बागवानी विकास मिशन' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा रू0 60 एवं रू0 40 के वित्तीय अनुपात पर संचालित यह केंद्र प्रायोजित योजना राज्य के विविध चिन्हित जनपदों में संचालित है। इसका मुख्य लक्ष्य फल, सब्जी, मसाला, पुष्प तथा औषधीय एवं सगंधीय फसलों के आच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता में वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से गुणात्मक सुधार लाना है। प्रदेश के प्रमुख कृषि बाहुल्य जनपद हरदोई में इस योजना के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। जनपद की उपजाऊ जलोढ़ मृदा और अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों के दृष्टिगत जिला प्रशासन एवं उद्यान विभाग द्वारा किसानों को परम्परागत फसल चक्र से मुक्त कर उच्च मूल्य वाली औद्यानिक फसलों की ओर मोड़ने की सुनियोजित कार्ययोजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाकर किसानों को उन्नत तकनीक, प्रमाणित रोपण सामग्री और वित्तीय संबल सुलभ कराया जा रहा है।

बागवानी फसलों के सफल आच्छादन के लिए जनपद हरदोई में उच्च गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री की उपलब्धता पर विशेष बल दिया जा रहा है। योजना के तहत हाईटेक व लघु पौधशालाओं की स्थापना तथा टिशू कल्चर प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण से किसानों को रोगमुक्त एवं प्रमाणित पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही आम और अमरूद के पुराने व अनुत्पादक बागों के वैज्ञानिक जीर्णोद्धार एवं कैनोपी प्रबंधन के लिए भी किसानों को समयबद्ध तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा रही है। जलवायु परिवर्तन के जोखिमों को न्यूनतम करने तथा वर्ष पर्यंत उत्पादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में संरक्षित खेती को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। पॉलीहाउस, शेडनेट हाउस, प्लास्टिक टनल और मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से किसान प्रतिकूल मौसम में भी बेमौसमी और उच्च मूल्य वाली फसलों से बेहतर लाभ अर्जित कर रहे हैं। जल संरक्षण हेतु ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों के समन्वय से सीमित जल में अधिकतम उत्पादन की दिशा में ठोस कार्य किया जा रहा है। फसल कटाई के उपरान्त होने वाले नुकसान को रोकने और उपज का समुचित मूल्य दिलाने के लिए जनपद में सुदृढ़ पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट संरचना विकसित की जा रही है। योजना के अंतर्गत ऑन-फार्म पैक हाउस, कोल्ड स्टोरेज, राइपनिंग चौंबर, प्री-कूलिंग यूनिट और प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर निर्धारित मानकों के अनुसार अनुदान दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से औद्यानिक उत्पादों का मूल्य संवर्धन हुआ है और स्थानीय किसानों को लखनऊ तथा कानपुर जैसे बड़े बाजारों से जुड़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। योजना के संचालन में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उद्यान विभाग के अधिकृत डीबीटी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण और 'प्रथम आवक-प्रथम पावक' सिद्धांत पर लाभार्थी चयन की व्यवस्था लागू है। विभागीय दल द्वारा स्थलीय भौतिक सत्यापन और जीपीएस टैगिंग के उपरांत निर्धारित अनुदान सीधे कृषकों के बैंक खातों में अंतरित किया जाता है। इस प्रक्रिया में लघु, सीमांत तथा महिला किसानों को नियमानुसार विशेष प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

इस पारदर्शी व्यवस्था और तकनीकी सम्बल का उत्कृष्ट उदाहरण जनपद हरदोई के विकास खंड कोथावां अंतर्गत ग्राम मुठिया निवासी कृषक भगवती प्रसाद हैं। पूर्व में वे अपनी भूमि पर पारंपरिक रूप से धान और गेहूं की खेती करते थे, जिसमें अधिक श्रम और बढ़ती लागत के सापेक्ष बहुत कम आमदनी होती थी। मौसम की अनिश्चितता और सीमित बाजार मूल्य के कारण परिवार का भरण-पोषण चुनौतीपूर्ण था। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए उन्होंने उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में व्यावसायिक बागवानी की ओर कदम बढ़ाया। कृषक भगवती प्रसाद को एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनांतर्गत नवीन उद्यान रोपण घटक की जानकारी मिली, जिसके तहत केले की वैज्ञानिक खेती पर 42,000 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान का प्राविधान है। इसी से प्रेरित होकर उन्होंने वर्ष 2025-26 में 0.4 हेक्टेयर क्षेत्रफल में टिशू कल्चर केले की खेती हेतु विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराया। विधिवत पौध रोपण के उपरांत फसल सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने पर उद्यान विभाग द्वारा 16,800 रुपये का अनुदान डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बचत बैंक खाते में अंतरित कर दिया गया।

वैज्ञानिक देखरेख और समेकित पोषक तत्व प्रबंधन के बल पर भगवती प्रसाद ने 0.4 हेक्टेयर क्षेत्र में केले की खेती करने में लगभग 1,10,000 रुपये की कुल लागत वहन की। इसके सापेक्ष उन्हें लगभग 430 क्विंटल उच्च गुणवत्तायुक्त केले की पैदावार प्राप्त हुई। बाजार में इस उपज की बिक्री से उन्हें लगभग 2,50,000 रुपये की सकल आय प्राप्त हुई। लागत घटाने और शासकीय अनुदान को जोड़ने के उपरांत उन्हें इस एकल फसल से 1,56,800 रुपये का उल्लेखनीय शुद्ध लाभ अर्जित हुआ।

पारम्परिक खेती की तुलना में सीमित समय और छोटे रकबे में प्राप्त इस शानदार आर्थिक प्रतिफल ने भगवती प्रसाद को क्षेत्र में सफलता की नई मिसाल बना दिया है। उनकी इस उपलब्धि को देखकर ग्राम मुठिया तथा आसपास के गांवों के अनेक किसान प्रेरित हुए हैं और पारम्परिक फसलों के स्थान पर केले की व्यावसायिक खेती की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे सफल कृषकों के अनुभवों को किसान गोष्ठियों में साझा कर अन्य किसानों को भी प्रेरित किया जा रहा है। हरदोई जनपद में केले और अन्य औद्यानिक फसलों के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और कृषि उद्यमशीलता को भी नई गति मिली है। कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ग्रेडिंग, पैकेजिंग और सीधी विपणन व्यवस्था मजबूत हो रही है, जिससे बिचौलियों की निर्भरता समाप्त हो रही है। निकटवर्ती बड़े शहरी केंद्रों की मांग को पूरा करते हुए किसानों को उनकी उपज का उचित और प्रतिस्पर्धी मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में गुणात्मक सुधार आया है।

लिखा- उसने धोखा दिया, सजा देना, झांसी में पिता बोले- बेटी को टॉर्चर करता था

मंगेतर ने अश्लील वीडियो भेजा, युवती ने जान दे दी

66 सुसाइड नोट में छाया ने मंगेतर पर धोखा देने का आरोप लगाया। उसने लिखा- 'मैं आज मर रही हूं। हर्ष बग्गन के बजाय हर्ष से मेरी शादी पक्की हो चुकी थी। फिर भी उसने दूसरी लड़कियों से कॉन्टैक्ट रखा है। उसने मुझे धोखा दिया। मुझे दर्द परेशान करते हैं। और ये सब मैं झेल नहीं पाऊंगी। मेरे मरने के बाद हर्ष को सजा मिले, ताकि वो किसी और लड़की के साथ ऐसा न करे, जो उसने मेरे साथ किया।

आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में मंगलवार सुबह 24 साल की युवती ने आत्महत्या कर ली। उसकी सगाई हो चुकी थी और दिसंबर 2027 में शादी होनी थी। युवती ने अपनी मौत से पहले एक पत्र लिखा था, जिसमें उसने मंगेतर को जिम्मेदार ठहराया है। घटना सुबह करीब 10 बजे की है। मृतका की पहचान छाया के रूप में हुई है। उसकी बहन का आरोप है कि छाया के मंगेतर का दूसरी लड़की से संबंध था।

छाया
मृतक

पिता बोले- हर्ष का कई लड़कियों से संबंध

जगदीश के मुताबिक, छाया ने तीन दिन पहले अपनी बड़ी बहन सपना को बताया था कि हर्ष कई लड़कियों से बात करता है। वह नवरात्र में भी लड़कियों के साथ डांडिया खेलने जा रहा था। छाया ने इस पर नाराजगी जताई तो आरोप है कि हर्ष वीडियो कॉल कर अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ अश्लील हरकतें दिखाने लगा। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे छाया घर की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में पोछा लगाने गई थी। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर उसकी बड़ी बहन कमरे के पास पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार खटखटाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो छाया मृत मिली।

कमरे में फंदे पर लटकी मिली छाया

झांसी के चांद गेट इलाके में रहने वाले जगदीश पवार रेलवे हॉस्पिटल में वॉर्ड बॉय हैं। उनकी पत्नी मंजू पवार बीमार रहती हैं। उन्हें शुगर और ब्लड प्रेशर की समस्या है। दंपती की चार बेटियां अर्चना, सपना, करिश्मा और छाया हैं। उनका एक बेटा शिवा भी है। जगदीश पवार ने बताया कि मोहल्ले में एक शादी के दौरान उनकी मुलाकात मध्य प्रदेश के रायसेन के रहने वाले हर्ष और उसके परिवार से हुई थी। हर्ष वहां कैफे चलाता है। परिवार का अपना कारोबार होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने बेटी के रिश्ते के बारे में सोचा। जगदीश के मुताबिक, करीब 7-8 महीने पहले दोनों परिवारों ने रिश्ता पक्का कर लिया था। इसके करीब छह महीने बाद हर्ष का परिवार झांसी आया, जहां छाया की सगाई हुई। इस दौरान उन्होंने शगुन के तौर पर 41 हजार रुपये दिए थे।

ये तस्वीर छाया और उसके मंगेतर हर्ष बग्गन की है।

छाया के पिता जगदीश ने बताया कि अगले साल उनका रिटायरमेंट होना है। इसलिए उन्होंने हर्ष के परिवार से शादी के लिए एक साल का समय लिया था। दिसंबर में शादी करने की योजना थी।

शराब के पैसों के विवाद में दोस्त की हत्या, 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

कृष्णानगर पुलिस ने आरोपी को दबोचा, वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कृष्णानगर थाना क्षेत्र में शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में अपने दोस्त की हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान उन्नाव निवासी राजेश रावत उर्फ काली (45) के रूप में हुई है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, हरदोई जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के कोटरा गांव निवासी जया देवी ने नौ अक्टूबर को अपने 27 वर्षीय बेटे सुखपाल की हत्या के संबंध में कृष्णानगर थाने में तहरीर दी थी। इसके आधार पर पुलिस ने राजेश रावत उर्फ काली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। मामले के खुलासे और

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक के निर्देशन में चार पुलिस टीमें गठित की गई थीं। पुलिस टीमों ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से मंगलवार, 27 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और सुखपाल दोस्त थे। दोनों कृष्णानगर क्षेत्र में किराये पर कमरा लेकर रहते थे और मजदूरी करते थे। आठ अक्टूबर को मजदूरी करने के बाद दोनों शराब लेकर कमरे पर पहुंचे और साथ बैठकर पीने लगे।

फास्ट न्यूज

इलाज न मिलने से मरीज की मौत

फतेहपुर। फतेहपुर के जिला अस्पताल में मंगलवार शाम 4 बजे 50 साल के दिनेश गुप्ता की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनका कहना है कि अस्पताल पहुंचने पर मरीज को समय से इमरजेंसी इलाज नहीं मिला। डॉक्टर भी मौजूद नहीं थे। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस पलटी- 2 दर्जन से ज्यादा घायल

मिल्कीपुर। अयोध्या में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दो दर्जन से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

बस गाजीपुर से बाराबंकी जा रही थी। उसमें बड़ी संख्या में मजदूर सवार थे, जो ईंट-भट्ठे पर काम करने जा रहे थे। हादसा एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 86.300 के पास हुआ। बस पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे।

देवरिया में एनसीसी प्रशिक्षण शिविर

देवरिया। देवरिया में सलेमपुर के श्री बब्बन सिंह इंटर कॉलेज, रतसिया कोठी में 52 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन कैडेटों ने .22 राइफल से फायरिंग का अभ्यास किया।

इसके साथ ही उन्हें मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग और फील्ड क्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया गया।

जनगणना-2027 के प्रशिक्षण का शुभारंभ, 98 फील्ड ट्रेनर देंगे प्रशिक्षण

1 दिसंबर से 4 जनवरी तक घर-घर होगी जनगणना

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का सोमवार को सभी तहसील एवं नगर पंचायत मुख्यालयों पर शुभारंभ हुआ। जनपद के 98 फील्ड ट्रेनर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। इसके तहत उन्हें जनगणना प्रक्रिया, आंकड़ों के संकलन और मोबाइल एप्लीकेशन के संचालन की जानकारी दी जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक घर-घर जनगणना होगी, जबकि 5 से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण कार्य किया जाएगा। जिला जनगणना अधिकारी पंकज वर्मा ने सभी चार्ज अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और प्रशिक्षण केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। स्टेट मास्टर ट्रेनर बलवीर सिंह, सुधीर सोलंकी, गिरीश कौशिक और प्रकाश चंद्र

विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर प्रशिक्षण की गुणवत्ता का निरीक्षण कर रहे हैं। बलवीर सिंह ने मांट तहसील में प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को मोबाइल एप्लीकेशन के संचालन की जानकारी दी और प्रत्येक परिवार से संबंधित आंकड़ों का सावधानीपूर्वक संकलन करने पर जोर दिया। प्रशासन का उद्देश्य जनगणना कार्य को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार गुणवत्ता-पूर्ण एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराना है। इसके लिए प्रशिक्षण केंद्रों पर कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रोजेक्टर, पेयजल और भोजन सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

लखनऊ में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

यूपी में 42 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को मिले प्रधानमंत्री आवास: केशव मौर्य

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के आवासहीन परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का आधार उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 42 लाख से अधिक आवास प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत करीब छह लाख आवास आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक पात्र परिवार को आवास उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी जरूरतमंद परिवार इस सुविधा से वंचित न रहे। उप मुख्यमंत्री मंगलवार को लखनऊ स्थित हयात रीजेंसी में ग्रामीण

विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को स्वीकृति-पत्र वितरित किए और उन्हें अपने पक्के घर का सपना साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण केवल घर उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है।

आवास के साथ बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आवास निर्माण को केवल भौतिक उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सुधार के व्यापक लक्ष्य से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों से आवास योजना के साथ पेयजल, स्वच्छता, बिजली, रसोई गैस, आजीविका और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित योजनाओं का प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि जब आवास पाने वाले परिवारों को अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी लाभ मिलेगा, तभी उनके जीवन में वास्तविक और स्थायी बदलाव आएगा। इसलिए विभिन्न योजनाओं के बीच बेहतर तालमेल बनाकर पात्र लाभार्थियों तक सुविधाएं पहुंचाई जानी चाहिए।

अधिकारियों से अनुभव और चुनौतियां साझा करने की अपील

कार्यशाला में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए अधिकारियों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने योजना के क्रियान्वयन से जुड़े अनुभव साझा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं सफल प्रयोगों को समझने, व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा करने और समस्याओं के समाधान खोजने का अवसर देती हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे योजना को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए ठोस सुझाव प्रस्तुत करें।

देवरिया में 3 लाख में सुपारी दी, वजह-अफेयर खुलने का डर था

सरकारी नर्स ने गर्भवती भाभी की हत्या कराई

- मृतका गुड़िया की मां ने रोते हुए ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया था।
- आरोपी स्टाफ नर्स पूर्णिमा (नीले सूट में) को उसके परिवार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

गुड़िया, मृतक

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। देवरिया में सरकारी नर्स ने कॉन्ट्रैक्ट किलर से अपनी गर्भवती भाभी की हत्या करा दी। भाभी उसके अफेयर में रोड़ा बन रही थी। उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या के लिए 3 लाख रुपये में सौदा तय किया था। अपने गहने गिरवी रखकर किलर को ढाई लाख रुपये एडवांस दिए थे। पुलिस के अनुसार, नर्स के कहने पर हत्यारोपी ने अपने साथी के साथ सरकारी आवास में घुसकर भाभी का गला घोंटा। इसके बाद हथौड़े से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात 24 अक्टूबर की देर रात जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर रुद्रपुर कस्बे में हुई थी। हत्या के बाद नर्स ने नाटक करते हुए खुद पुलिस को सूचना दी थी। नर्स का परिवार गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र का रहने वाला है। वह देवरिया में नौकरी करती थी।

एसपी भी रात में मौके पर पहुंचे

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी अभिजीत आर. शंकर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान गुड़िया की मां लालती देवी ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनकी तहरीर पर पुलिस ने पति चमनलाल, सास उर्मिला देवी, ननद पूर्णिमा विश्वकर्मा, जेठ अभिमन्यु और जेठानी बनदेवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने ननद, पति समेत कुछ अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

बुंदेलखंड में बनेंगे 65 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम, किसानों को मिलेगी राहत

झांसी और ललितपुर में भंडारगृह निर्माण के लिए राज्य भंडारण निगम को निशुल्क मिलेगी जमीन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बुंदेलखंड के किसानों को अपनी उपज के सुरक्षित भंडारण और उचित मूल्य दिलाने के लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में झांसी और ललितपुर में भंडारगृहों के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम को निशुल्क भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। दोनों जिलों में कुल 65 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाए जाएंगे।

कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि इससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में बुंदेलखंड में गोदाम

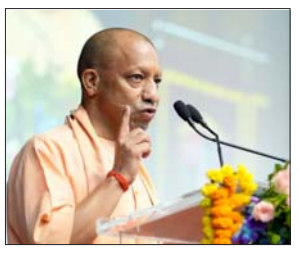

निर्माण के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि उपलब्ध कराने और भंडारण को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए थे। झांसी में लगभग 30 हजार और ललितपुर में 35 हजार मीट्रिक टन क्षमता के भंडारगृह बनाए जाएंगे।

इसके लिए सहकारिता विभाग के अधीन उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम को निशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। यहां दलहन, तिलहन, श्री अन्न (ज्वार-बाजरा) सहित अन्य कृषि उपज के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण की सुविधा मिलेगी।

बुंदेलखंड में सूखा और असमान वर्षा से जुड़ी कठिनाइयों के कारण किसानों को परेशानी व नुकसान होता है।

पर्याप्त भंडारण सुविधा मिलने से किसान बाजार की प्रतिकूल परिस्थितियों में उपज सुरक्षित रखकर उचित समय पर बेच सकेंगे। इससे कृषि उपज की गुणवत्ता एवं मूल्य संरक्षण में मदद मिलेगी और कृषि विपणन व्यवस्था मजबूत होने के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। कैबिनेट के इस फैसले से कृषि उपज की बर्बादी को न्यूनतम होगी और आपूर्ति श्रृंखला में भी व्यापक सुधार होगा। भंडारगृहों के निर्माण एवं संचालन से परिवहन, लोडिंग-अनलोडिंग, रखरखाव और अन्य सहायक गतिविधियों के जरिए स्थानीय स्तर पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

टीजीटी के 17,735 पदों में आरक्षण को लेकर फैलाया जा रहा दुष्प्रचार पूरी तरह निराधार

उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 17,735 पदों पर भर्ती को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया कि भर्ती में आरक्षण व्यवस्था शासन के निर्धारित नियमों और प्रचलित कानूनी प्रावधानों के अनुरूप लागू की गई है। उन्होंने आरक्षण को लेकर सोशल मीडिया और विभिन्न मंचों पर किए जा रहे दावों को तथ्यहीन और भ्रामक बताया। साथ ही शिक्षक अभ्यर्थियों और आम लोगों से अपील की कि वे बिना आधिकारिक पुष्टि के किसी भी सूचना पर भरोसा न करें और न ही ऐसी पोस्ट को आगे साझा करें। आयोग ने आरक्षण व्यवस्था को स्पष्ट करते हुए बताया कि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के विभिन्न अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों से विद्यालयवार, विषयवार और श्रेणीवार रिक्त पदों की जानकारी एकत्र की थी। इसके बाद इन पदों का अधियाचन आयोग को उपलब्ध कराया गया। आयोग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को आरक्षण निर्धारण के उद्देश्य से एकल इकाई (सिंगल यूनिट) के रूप में माना जाता है। संबंधित विद्यालय का प्रबंध तंत्र ही नियुक्ति प्राधिकारी होता है। इसी आधार पर प्रत्येक विद्यालय में स्वीकृत पदों की संख्या के अनुसार लागू आरक्षण नियमों के तहत श्रेणीवार पद निर्धारित किए जाते हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि इस भर्ती में आरक्षण का निर्धारण पूरे प्रदेश या माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के स्तर पर कुल पदों की संयुक्त संख्या के आधार पर नहीं किया जाता। इसके बजाय प्रत्येक विद्यालय को अलग इकाई मानकर वहां स्वीकृत पदों के आधार पर आरक्षण के प्रावधान लागू किए जाते हैं। आयोग का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में इसी नियमावली और वैधानिक व्यवस्था का पालन किया गया है। इसलिए आरक्षण व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही सूचनाओं को सही संदर्भ में समझना जरूरी है। आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि शासन की ओर से भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'ई-ज्ञान गंगा-उत्तर प्रदेश' (E-Gyan Ganga-U.P.) पर इस विषय में तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट की गई है। उन्होंने शिक्षक अभ्यर्थियों और आम नागरिकों से कहा कि वे सोशल मीडिया या किसी अन्य अनधिकृत स्रोत से मिलने वाली अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करें। उन्होंने यह भी अपील की कि बिना पुष्टि के भ्रामक पोस्ट को आगे साझा करने से बचें।

अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग इससे पहले विज्ञापन संख्या 01/2022 और 02/2022 के तहत भी भर्ती प्रक्रिया निर्धारित नियमों और प्रावधानों के अनुसार पूरी करा चुका है। आयोग के अनुसार, उन भर्तियों में भी शासन की मंशा के अनुरूप निष्पक्षता और पारदर्शिता का ध्यान रखा गया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया में भी लागू नियमों के अनुसार कार्रवाई की गई है। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे आरक्षण से संबंधित किसी भी दावे की पुष्टि अधिकृत स्रोतों से ही करें।

17,735 पदों पर भर्ती, आरक्षण को लेकर फैल रही भ्रामक सूचनाएं

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक यानी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 17,735 पदों के लिए भर्ती विज्ञापित की है। आयोग के अनुसार, सोशल मीडिया पर कुछ लोगों और संस्थाओं की ओर से भर्ती में आरक्षण व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। आयोग ने इन सूचनाओं का संज्ञान लेते हुए अभ्यर्थियों के सामने आरक्षण प्रक्रिया से जुड़ी स्थिति स्पष्ट की है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा कि विज्ञापित पदों पर आरक्षण का निर्धारण शासन की स्थापित व्यवस्था और निर्धारित नियमों के अनुसार किया गया है। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले आधिकारिक जानकारी की पुष्टि जरूर करें।

- अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय 'एकल इकाई' के रूप में मान्य, विद्यालय स्तर पर ही लागू होते हैं आरक्षण के विहित नियम
- विज्ञापन संख्या 01/2022 एवं 02/2022 की भांति पूर्ण पारदर्शिता व शुचिता के साथ जारी हुआ विज्ञापन
- सोशल मीडिया पर चल रहे भ्रामक प्रचार से सचेत रहें अभ्यर्थी, शासन ने 'ई-ज्ञान गंगा-यूपी' पर भी स्पष्ट की वस्तुस्थिति

दूल्हा बारात नहीं लाया, दुल्हन बेहोश होकर गिरी

गोंडा में बैंड-बाजा, खाना, मंडप सब बर्बाद हो गया

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में शादी में THAR नहीं देने पर दूल्हा बारात लेकर नहीं आया। दुल्हन और उसके परिवार-वाले रातभर बारातियों को इंतजार करते रहे। कई बार समझाने के बाद भी दूल्हा राजी नहीं हुआ। उसने बिना गाड़ी लिए शादी से इनकार कर दिया। इससे शादी के जोड़े में तैयार बैठी दुल्हन को सदमा लग गया और वह रोते-रोते कई बार बेहोश हो गई। हालत खराब होने पर दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार सुबह परिवारवालों ने थाने में दूल्हे और उसके घरवालों के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है। कटारिया मोहल्ले के रहने वाले मिर्जा अजमल बेग पेशे से ड्राइवर हैं। परिवार में पत्नी नाजो खातून, बेटी नौशबा मिर्जा बेग और

एक बेटा है। अजमल ने नौशबा का निकाह करीब एक साल पहले गोरखपुर में रहने वाले मोहम्मद असलम के बेटे मोहम्मद सलमान से तय किया था। सलमान 3 भाई और एक बहन में सबसे बड़ा है। अभी विदेश में रहकर पढ़ाई कर रहा है। सोमवार (26 अक्टूबर) को निकाह की तारीख तय हुई थी। इसके लिए शहर में स्थित मैरिज पैलेस बुक किया गया था। शादी के लिए दुल्हन हाथों में मेहंदी रचाकर तैयार बैठी थी। रिश्तेदार भी बारात आने का इंतजार कर रहे थे।

सांडी-शाहाबाद मार्ग पर इंटर कॉलेज के पास हुआ हादसा, गंभीर रूप से घायल मां लखनऊ रेफर

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिले के लोनार कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन माह के मासूम की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। सांडी-शाहाबाद मार्ग पर एक इंटर कॉलेज के पास तेज रफ्तार पिकअप ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दंपती और उनका मासूम बेटा उछलकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में तीनों को गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र बावन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। यहां चिकित्सकों ने तीन माह के बच्चे उत्कर्ष को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल उसकी मां वंदना सिंह को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

टक्कर लगते ही सड़क पर गिर पड़े तीनों

प्रत्यक्ष घटनाक्रम के मुताबिक, पिकअप की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग उछलकर सड़क पर गिर पड़े। गिरने के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग तत्काल मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बावन ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

मेडिकल कॉलेज में मासूम को मृत घोषित किया

घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाए जाने के बाद चिकित्सकों ने तीन माह के उत्कर्ष की जांच की। सोमवार देर शाम 6 बजकर 46 मिनट पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल वंदना सिंह की हालत नाजुक बनी हुई थी। चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर कर दिया।

इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मातम

तीन माह के मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक, उत्कर्ष दंपती का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। हादसे के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल है।

बेटे की दवा लेकर घर लौट रहा था दंपती

लोनार कोतवाली क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी सोमेंद्र उर्फ अनूप खेती-किसानी करते हैं। उनकी शादी करीब तीन साल पहले वंदना सिंह के साथ हुई थी। दंपती का तीन माह का इकलौता बेटा उत्कर्ष था। परिजनों के मुताबिक, पिछले दो दिनों से उत्कर्ष की तबीयत खराब चल रही थी। उसका इलाज कराया जा रहा था।

सोमवार शाम अनूप अपनी पत्नी वंदना और बेटे उत्कर्ष को बाइक पर लेकर दवा लेने गए थे।

दवा लेने के बाद तीनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सांडी-शाहाबाद मार्ग पर एक इंटर कॉलेज के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

शहर कोतवाल संजय त्यागी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मासूम के शव का पंचनामा भरकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने किया ताजमहल का दीदार

मुख्य मकबरे तक पहुंचे, फैंस के साथ खिंचवाईं तस्वीरें

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। जाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे ताजमहल पहुंचे। उनके साथ करीब 14 लोगों की टीम भी थी। इस दौरान वह मुख्य मकबरे तक पहुंचे और ताजमहल की खूबसूरती निहारी। परिसर में करीब एक घंटे रहे। दिलजीत लाल जैकेट, सफेद पगड़ी और नीली जींस पहने नजर आए। उन्होंने ताजमहल के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और रील भी शूट की। परिसर में घूमने के लिए उन्होंने ई-कार्ट का इस्तेमाल किया। उनके दौरे के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। भ्रमण के दौरान दिलजीत ने सफेद संगमरमर पर की गई बारीक नक्काशी और इमारत की वास्तुकला को निहारा। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर वीडियो भी बनाए। दिलजीत के पहुंचने की खबर मिलते ही प्रशंसक उनके साथ तस्वीरें

खिंचवाने के लिए उत्सुक दिखे। वह पंजाबी संगीत और फिल्मों के लोकप्रिय कलाकार हैं।

फास्ट न्यूज

सपा का आरोप- काउंटिंग में प्रत्याशी को एंट्री नहीं मिल रही

आगरा। आगरा खंड स्नातक-शिक्षक MLC चुनाव की मतगणना के बीच समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशी शशांक यादव को केंद्र में प्रवेश नहीं देने का आरोप लगाया। पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिए चुनाव आयोग से शिकायत कर मामले की जांच कराने और निष्पक्ष मतगणना सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं, रिटर्निंग अधिकारी एवं मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने सपा के आरोप का खंडन किया है।

गोरखपुर में 495 करोड़ की गोड़धोइया नाला परियोजना पूरी

गोरखपुर। गोरखपुर में 495.24 करोड़ रुपए की लागत से बनी गोड़धोइया नाला परियोजना पूरी हो गई है। इससे शहर के उत्तरी क्षेत्र के 17 वार्डों में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1 नवंबर को परियोजना का लोकार्पण करेंगे।

परियोजना के तहत 9.25 किलोमीटर लंबा नाला बनाया गया है। इसके साथ 17.50 किलोमीटर इंटरसेप्टिंग सीवर लाइन बिछाई गई और 38 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया गया है।

रामलीला में राम-सीता विवाह का मंचन

मथुरा। वृंदावन में चल रहे श्री रामलीला महोत्सव के चौथे दिन सोमवार को धनुष यज्ञ और सीता स्वयंवर की लीला का मंचन किया गया। भगवान राम के शिव धनुष तोड़ते ही पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। लक्ष्मण और परशुराम के बीच संवाद ने भी दर्शकों को खूब आकर्षित किया। रंगजी बड़ा बगीचा में वृंदावन रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित 14 दिवसीय रामलीला महोत्सव में सीता स्वयंवर का प्रसंग दिखाया गया।

एनईपी 2020 पर राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया शुभारंभ, 9 राज्यों के 250 से ज्यादा प्रतिनिधि होंगे शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) को प्रभावी ढंग से लागू करने और शिक्षक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए आगरा में मंगलवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हो रहा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सुबह 11 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय पहुंचकर सम्मेलन का शुभारंभ करेंगी। 27 और 28 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के जेपी सभागार में होगा। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) की ओर से आयोजित सम्मेलन का विषय 'समर्थ शिक्षक-सशक्त भारत' है। इसमें शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल को बेहतर बनाने और राष्ट्रीय शिक्षक व्यावसायिक मानक (NPST) व राष्ट्रीय मेंटरिंग

मिशन (NMM) को लागू करने की रणनीतियों पर चर्चा होगी। सम्मेलन का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षक शिक्षा को आगे बढ़ाना और अलग-अलग राज्यों में अपनाई जा रही बेहतर शैक्षिक प्रथाओं को साझा करना है। दो दिवसीय विचार-विमर्श के जरिए शिक्षक प्रशिक्षण, व्यावसायिक विकास और मेंटरिंग के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा।

शिक्षक प्रशिक्षण और मेंटरिंग व्यवस्था पर मंथन

सम्मेलन के दौरान शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए राष्ट्रीय मानकों और मेंटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षक व्यावसायिक मानक (NPST) के जरिए शिक्षकों की दक्षता और पेशेवर कौशल को बेहतर बनाने की रणनीति पर चर्चा होगी।

वहीं, राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन (NMM) के माध्यम से शिक्षकों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर जोर रहेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री होंगे विशिष्ट अतिथि

उद्घाटन सत्र में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया जाएगा। सम्मेलन में NCTE के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी और संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के निदेशक प्रो. चांद किरण सलूजा समेत कई शिक्षाविद और अधिकारी हिस्सा लेंगे।

9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से 250 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की योजना है।

इनमें स्कूल शिक्षा निदेशालय, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS), नवोदय विद्यालय समिति (NVS) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कलेक्ट्रेट की स्वच्छता वाटिका में हुआ रामायण पाठ

अधिकारियों ने किया महर्षि वाल्मीकि को नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित स्वच्छता वाटिका में रामायण पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रामायण पाठ के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, सत्य, त्याग और लोककल्याण की भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने महर्षि वाल्मीकि के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उनके विचारों और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में रामायण पाठ के जरिए भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों और आदर्शों को आत्मसात करने

पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में सत्य, त्याग, मर्यादा और लोककल्याण जैसी भावनाओं को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान महर्षि वाल्मीकि के साहित्यिक योगदान और उनके आदर्शों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि उनके विचार समाज को नैतिक मूल्यों और सदाचार की प्रेरणा देते हैं।

गोवर्धन में धान चोरी का आरोपी गिरफ्तार

खेत से धान की फसल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने की कार्रवाई

2.36 कुंतल धान बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन (मथुरा)। गोवर्धन थाना पुलिस ने धान की फसल चोरी के मामले में वांछित आरोपी पदम सिंह (47) निवासी नगला धन्नु को मंगलवार को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर आठ प्लास्टिक के कट्टों में भरा दो कुंतल 36 किलोग्राम धान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, महीपाल निवासी नगला धन्नू भाग भगौसा ने 19 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके खेत में खड़ी धान की फसल को आरोपी चोरी से काटकर ले गए। शिकायत के आधार पर थाना

गोवर्धन में मुकदमा अपराध संख्या 551/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने 27 अक्टूबर को दोपहर 2:40 बजे पदम सिंह को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी से संबंधित धान बरामद किया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस टीमः उपनिरीक्षक अजीत कुमार, कांस्टेबल श्रीकान्त सागर और कांस्टेबल सचिन शामिल रहे।

सांसद, मंत्री-विधायक विशेष आमंत्रित सदस्य बने, प्रदेश अध्यक्ष ने जारी की सूची

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में आगरा के 15 नेता शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने संगठनात्मक ढांचे में नई जिम्मेदारियां तय की हैं। सोमवार देर शाम प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश कार्यसमिति की सूची जारी की। इसमें आगरा के 15 नेताओं को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। वहीं, सांसदों, मंत्रियों और विधायक को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में कुल 712 नेताओं को तीन श्रेणियों में जगह दी गई है। इनमें 548 प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, 134 विशेष आमंत्रित सदस्य और 30 स्थायी आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। आगरा से जुड़े कई प्रमुख

जनप्रतिनिधियों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

इनमें राज्यसभा सांसद नवीन जैन, फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर, प्रदेश सरकार की मंत्री बेबीरानी मौर्य, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, मंत्री डॉ. धर्मवीर प्रजापति और आगरा उत्तर के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल शामिल हैं। सूची में भानु महाजन, गुटियारी लाल दुबेश, कालीचरण सुमन और रामसकल गुर्जर के नाम भी सामने आए हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इन चारों नेताओं की

कार्यसमिति की श्रेणी स्पष्ट नहीं है। प्रदेश स्तर पर मिली जिम्मेदारियों से आगरा के संगठनात्मक नेतृत्व की भूमिका बढ़ने की उम्मीद है।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठकों में पार्टी की नीतियों, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होती है। सरकार, सदन और संगठन के बीच समन्वय बनाए रखना भी इसकी अहम भूमिका मानी जाती है। विधानसभा चुनाव से पहले नई जिम्मेदारियों के जरिए भाजपा संगठन को सक्रिय करने और चुनावी तैयारियों को गति देने की कोशिश कर रही है।

कार्यसमिति में आगरा के ये 15 नेता शामिल

प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों में आगरा से मेघराज सोलंकी, कालीचरण सुमन, यादवेंद्र शर्मा, विजय राठौर, गुटियारी लाल दुबेश, जितेंद्र फौजदार, भानू महाजन, रामसकल गुर्जर, नागेंद्र प्रसाद दुबे, अशफाक सैफी, रुचि चतुर्वेदी, निर्मला दीक्षित, डा. रामबाबू हरित, डा. जीएस धर्मेश और चौधरी उदयभान सिंह के नाम शामिल हैं। इस सूची में पूर्व विधायकों, पूर्व मंत्रियों, संगठन के अनुभवी नेताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों में सक्रिय चेहरों को प्रतिनिधित्व मिला है। पार्टी के लिए यह टीम प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ संपर्क बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकती है।

पृष्ठ 01 का शेष...

चार लिंक एक्सप्रेसवे...

इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र नीति-2024 अधिसूचित की गई थी। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में वैश्विक कंपनियों को अपनी तकनीकी, अनुसंधान, विकास और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए केंद्र स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र नीति-2024 का उद्देश्य प्रदेश को देश और दुनिया की प्रमुख कंपनियों के लिए आकर्षक निवेश केंद्र के रूप में विकसित करना है। प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने, औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करने तथा आधुनिक तकनीक और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

एसिड बिक्री पर...

केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने कहा कि एसिड की खुदरा बिक्री पर रोक को लेकर राज्यों को विस्तृत गाइडलाइन भेजी गई थी। उन्होंने बताया कि राज्यों ने नियम भी बनाए हैं, लेकिन उनका अमल बहुत कमजोर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गाइडलाइन में कई कमियां हैं, जिनका लोग गलत फायदा उठा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि केंद्र और राज्यों को आपस में तालमेल कर इन कमियों को दूर करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पहले एसिड अटैक के बर्बर मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने केंद्र से ऐसे अपराधों में सजा बढ़ाने पर विचार करने को कहा था। कोर्ट ने यह सुझाव भी दिया था कि आरोपी पर यह साबित करने की जिम्मेदारी डाली जाए कि वह दोषी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एसिड अटैक पीड़ित शाहीन मलिक की जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई के दौरान दिया। शाहीन मलिक ने मांग की है कि एसिड अटैक पीड़ितों को दिव्यांग व्यक्तियों की श्रेणी में रखा जाए। इससे उन्हें सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। NCRB के 2023 के डेटा के मुताबिक देश में हर साल लगभग 200 मामले सामने आते हैं। 2023 में सबसे ज्यादा 57 मामले पश्चिम बंगाल में दर्ज हुए थे। 2023 में सिर्फ 16 मामलों में आरोपियों को सजा मिली। 27 मामलों में आरोपी बरी हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने खुद कहा था एक केस 16 साल से लटका है। इस डेटा के आधार देखा जाए तो औसत हर दिन 1 केस से ज्यादा और एक्सपर्ट मानते हैं असली संख्या इससे 3-4 गुना है, क्योंकि 60% केस ग्रामीण इलाकों में रिपोर्ट ही नहीं होते। एसिड सर्वाइवर फाउंडेशन के मुताबिक असली आंकड़ा सालाना 1000 तक है।

भारत का एससीओ...

यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर आयोजित करेंगे। पीएम मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। रूस और चीन समेत 10 देशों के नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम दिल्ली के पुराना किला में होगा। अधिकारियों के मुताबिक, इस जगह का चयन भारत के प्राचीन अतीत से जुड़े महत्व के कारण किया गया है। 2023 में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो SCO विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने गोवा आए थे। पीएम मोदी ने पिछले साल तियानजिन में SCO नेताओं के सम्मेलन में इस बैठक का प्रस्ताव रखा था। बाद में SCO परिषद ने इसे मंजूरी दी। शंघाई सहयोग संगठन (SCO) एक क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गीजस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिलकर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इससे जुड़े। 2023 में ईरान भी इसका सदस्य बना। SCO का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को बढ़ाना है। संगठन आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाता है।

भारत में इनोवेशन...

पीएम ने कहा- सरकार की ओर से 12 हजार करोड़ के कमिटमेंट के साथ प्राइवेट सेक्टर भी 12 हजार करोड़ इन्वेस्ट कर रहा है। भारत के रिसर्च इकोसिस्टम में भी निरंतर विस्तार दिख रहा है। 10 साल पहले साल में 50 हजार से कम पेटेंट दाखिल होते थे। लेकिन पिछले साल ये संख्या 1.5 लाख पहुंच गई। पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले ही मुझे चेन्नई जाने का मौका मिला। वहां मैंने आईआईटी मद्रास में एक आधुनिक ब्रेन सेंटर का उद्घाटन किया। ये दुनिया के लिए एक उदाहरण है, जहां दिमाग की 3डी तस्वीरें बनाई जा रही हैं। इससे दिमाग से जुड़ी बीमारियों का इलाज होगा। हम सब जानते हैं रिसर्च वो शक्ति है जो किसी देश को अपनी समस्याओं को समझने में मदद करती है। इसलिए हमने कहा है जय विज्ञान जय अनुसंधान। इसलिए हम इसे बढ़ावा दे रहे हैं। पिछले साल हमने इसी मंच से इसके लिए 1 लाख करोड़ दिया था। आप सब जानते हैं साइंस और टेक्नोलॉजी को हमेशा से वेपन की तरह भी देखा जाता रहा है। लेकिन भारत के लिए इसका मतलब है आम जनता की सेवा। टेक्नोलॉजी सिर्फ इस बात से साबित नहीं होती कि वो कितनी एडवांस है, असली फर्क इस बात से पड़ता है कि वो कितने लोगों की जिंदगी में बदलाव लाती है। इसलिए हम ऐसी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं जो हेल्थ और एजुकेशन में काम आए। मोदी ने कहा- इसी साल भारत ने एआई इंपैक्ट समिट होस्ट की और अपना भी लॉट तैयार किया। भारत में तैयार शिपमेंट अब दुनिया में पहुंच रहे हैं। न्यूक्लियर से स्पेस और एआई से सेमीकंडक्टर तक इन सबकी जरूरतें अलग हैं। लेकिन लक्ष्य एक है। भारत का एक और लक्ष्य है- सॉल्यूशन एट स्केल, यानी हमारे यहां ढूंढे गए सॉल्यूशन से दुनिया को फायदा होता है। प्रधानमंत्री ने कहा- 30 अक्टूबर को देश डॉक्टर होमी भाभा की जयंती मनाएगा। आप सभी जानते हैं कि विकसित भारत के लिए हमें बड़ी मात्रा में न्यूक्लियर एनर्जी की जरूरत होगी। इसलिए हम अपने फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तैयार कर रहे हैं। ये कुछ महीने पहले ही फर्स्ट क्रिटिकैलिटी तक पहुंच गया है। इसी साल भारत ने स्पेस सेक्टर में नई उपलब्धियां हासिल की हैं। मेड इन इंडिया स्टार्टअप ने पहली कोशिश में रॉकेट को ऑर्बिट में पहुंचाया। पीएम ने कहा- आज हमारे सामने चुनौती है- नई टेक्नोलॉजी विकसित करना है। हमने कोरोना काल में देखा जब दुनिया के बड़े देश वैक्सीन के लिए स्ट्रगल कर रहे थे। तब भारत दुनिया के कई देशों को वैक्सीन दी। हम प्रथम कोशिश में ही मंगल पर पहुंच गए। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक भी एक बार में ही पहुंच गए। 0 की खोज से लेकर नंबर सिस्टम तक भारत की परंपरा इनोवेशन की रही है। आप सब जानते हैं साइंस और टेक्नोलॉजी को हमेशा से वेपन की तरह भी देखा जाता रहा है। लेकिन भारत के लिए इसका मतलब है आम जनता की सेवा। टेक्नोलॉजी सिर्फ इस बात से साबित नहीं होती कि वो कितनी एडवांस है, असली फर्क इस बात से पड़ता है कि वो कितने लोगों की जिंदगी में बदलाव लाती है। इसलिए हम ऐसी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं जो हेल्थ और एजुकेशन में काम आए। पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले ही मुझे चेन्नई जाने का मौका मिला। वहां मैंने आईआईटी मद्रास में एक आधुनिक ब्रेन सेंटर का उद्घाटन किया। ये दुनिया के लिए एक उदाहरण है, जहां दिमाग की 3डी तस्वीरें बनाई जा रही हैं। इससे दिमाग से जुड़ी बीमारियों का इलाज होगा। हम सब जानते हैं रिसर्च वो शक्ति है जो किसी देश को अपनी समस्याओं को समझने में मदद करती है। इसलिए हमने कहा है जय विज्ञान जय अनुसंधान।

नहीं चाहती थी कि...

इसलिए मुझे लगा कि अब मुझे खुद अपनी कहानी लिखनी चाहिए और तथ्यों और घटनाओं को ठीक वैसे ही बताना चाहिए, जैसे वे असलियत में घटी थीं। शनिवार को X पर सोनिया ने पहले पोस्ट में लिखा- कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से पहली मुलाकात ने दोस्ती का रास्ता खोला। सोनिया ने कहा- यहीं से प्यार की शुरुआत हुई, हमने साथ मिलकर यादों की एक दुनिया बनाई।

25 साल बाद इंग्लैंड के फुटबॉलर को मिला, विमेंस में एलेक्सिया पुतेलास की तीसरी जीत

हैरी केन ने जीता बैलन डी'ओर अवॉर्ड

सम्मान

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के कप्तान और बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का बैलन डी'ओर अवॉर्ड जीत लिया है। वे 25 साल बाद यह अवॉर्ड हासिल करने वाले पहले इंग्लिश फुटबॉलर बने हैं।

उनसे पहले 2001 में माइकल ओवेन ने यह अवॉर्ड जीता था। यह अवॉर्ड सेरेमनी सोमवार को लंदन में हुई। केन ने पिछले सीजन क्लब और देश के लिए 73 गोल किए। वे यूरोप के टॉप स्कोरर रहे। वोटिंग में उन्होंने फ्रांस के किलियान एम्बाप्पे, स्पेन के लेमिन यामल, 2024 के विजेता रोड्री और रिकॉर्ड 8 बार के विजेता लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ा। यामल लगातार तीसरे साल बेस्ट यंग प्लेयर चुने गए।

बैलन डी'ओर समारोह में ट्रॉफी के साथ इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन और महिला वर्ग की विजेता एलेक्सिया पुतेलास।

स्पेन की मिडफील्डर एलेक्सिया पुतेलास ने विमेंस बैलन डी'ओर का खिताब तीसरी बार अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले 2021 और 2022 में लगातार दो बार यह अवॉर्ड जीता था।

पुतेलास ने पिछले सीजन अपनी पूर्व टीम बार्सिलोना को विमेंस चैंपियंस लीग सहित कई खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दिसंबर में स्पेन को विमेंस नेशंस लीग का खिताब जिताने में भी योगदान दिया। 32 साल की पुतेलास ने स्पेन की अपनी साथी एताना बोनमाटी के लगातार तीन साल के दबदबे को खत्म किया। बोनमाटी ने 2023, 2024 और 2025 में यह अवॉर्ड जीता था, लेकिन पैर में फ्रैक्चर के कारण इस बार शॉर्टलिस्ट में जगह नहीं बना सकीं।

बायर्न को दिलाया बुंडेसलीगा और जर्मन कप का खिताब

केन ने बायर्न म्यूनिख को बुंडेसलीगा और जर्मन कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जर्मन कप के फाइनल में स्टटगार्ट के खिलाफ हैट्रिक लगाई। वर्ल्ड कप में भी केन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 6 गोल किए और इंग्लैंड के लिए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बनने के मामले में गैरी लिनेकर को पीछे छोड़ दिया। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारने के बाद तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस को हराया।

पहली बार लंदन में हुआ समारोह

बैलन डी'ओर समारोह पहली बार लंदन में आयोजित किया गया। इसके जरिए 1956 में इस पुरस्कार के पहले विजेता बने इंग्लैंड के स्टेनली मैथ्यूज को भी सम्मान दिया गया।

इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल ने भी केन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की टीम खुशकिस्मत है कि उसके पास केन जैसा कप्तान है।

बैलन डी'ओर अवॉर्ड जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ इंग्लैंड के कप्तान और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन।

केन बोले- मेरा सफर आसान नहीं था

अवॉर्ड जीतने के बाद केन भावुक नजर आए। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि मेहनत, दृढ़ संकल्प और खुद पर भरोसे से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। केन ने कहा, 'मेरा सफर सीधा और आसान नहीं था। मैं ऐसा खिलाड़ी नहीं था, जो सीधे शीर्ष पर पहुंच गया। मुझे मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। मुझे लगातार मेहनत करके खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करना पड़ा। उम्मीद है कि मेरा सफर बच्चों को प्रेरित करेगा।'

केन ने अपनी सफलता का श्रेय टीम के साथियों, कोचों, माता-पिता और पत्नी केट को दिया। उन्होंने पत्नी को अपना सबसे अच्छा दोस्त और सबसे बड़ा समर्थक बताया।

अंडर-19 महिला क्रिकेट में 1 रन पर विवाद

झारखंड ने बीसीसीआई से की शिकायत

पिछले मंगलवार को खेले गए मुकाबले में उत्तराखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 134 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी झारखंड की टीम आखिरी गेंद पर 133 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। आधिकारिक स्कोर के अनुसार, उत्तराखंड ने यह मुकाबला 1 रन से जीता।

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-19 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में झारखंड और उत्तराखंड के बीच खेले गए मैच में स्कोरिंग को लेकर विवाद हो गया। झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन (JCA) का आरोप है कि ऑफिशियल स्कोरर ने पारी के दौरान पूरा किया गया एक रन टीम के खाते में नहीं जोड़ा।

इससे झारखंड की टीम 1 रन से मैच हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। एसोसिएशन ने इस मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) को लिखित शिकायत भेजी है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड का आरोप है कि पारी के 20वें ओवर की चौथी गेंद पर बल्लेबाज दूसरा रन लेने की कोशिश में रनआउट हो गया। इस

दौरान बल्लेबाज पहला रन पूरा कर चुके थे, लेकिन ऑफिशियल स्कोरर ने रनआउट तो दर्ज किया, पर पूरा किया गया पहला रन टीम के स्कोर में नहीं जोड़ा।

JCA के मुताबिक, मैदान के दूसरे छोर पर लगे स्कोरबोर्ड पर हर गेंद के बाद स्कोर अपडेट हो रहा था और उसमें यह रन जोड़ दिया गया था। हालांकि, मुख्य स्कोरर के रिकॉर्ड में रन नहीं जुड़ा।

झारखंड के खिलाड़ियों को स्कोरबोर्ड पर दिख रहे स्कोर के आधार पर लगा कि टीम को जीत के लिए 2 रन और मैच टाई कराने के लिए 1 रन चाहिए। आखिरी गेंद पर टीम ने 1 रन बनाया, लेकिन इसके बावजूद उसे 1 रन से हारा हुआ घोषित कर दिया गया।

मैच के बाद झारखंड के खिलाड़ियों ने नागपुर के अमृतबाई डागा कॉलेज मैदान पर स्कोरर से इस मामले में बहस भी की। हालांकि, स्कोरर ने अपना फैसला नहीं बदला।

झारखंड के एक अधिकारी ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि मैदान के दूसरे छोर पर लगे स्कोरबोर्ड पर हर गेंद के बाद अपडेटेड स्कोर दिख रहा था, लेकिन मुख्य स्कोरर एक रन जोड़ना भूल गए। एसोसिएशन का दावा है कि इस गलती के कारण मैच टाई नहीं हो सका।

इंडिया-ए और न्यूजीलैंड अनआफिसशियल टेस्ट- खराब रोशनी के कारण ड्रॉ, न्यूजीलैंड आकिब नबी ने 3 विकेट लिए

भारत-ए जीत से एक विकेट दूर रह गया

नई दिल्ली, एजेंसी

लिंकन में खेले गए पहले अनऑफिशियल टेस्ट में भारत-A जीत से एक विकेट दूर रह गया। चौथे दिन तीसरे सेशन में न्यूजीलैंड-A ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 182 रन बना लिए थे और उसे जीत के लिए 131 रन और चाहिए थे।

खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा और दोबारा शुरू नहीं हो सका, जिससे मुकाबला ड्रॉ रहा।

भारत-A ने पहली पारी में 113 रन पर ऑलआउट होने के बाद शानदार वापसी की। देवदत्त पडिक्कल के 199 रन की मदद से टीम ने दूसरी पारी में 516 रन बनाए और न्यूजीलैंड-A को 313 रन का टारगेट दिया। 313 रन के टारगेट का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड-A की शुरुआत खराब रही। टीम ने 13 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए

पडिक्कल ने 199 रन की पारी खेली

भारत-A की दूसरी पारी में देवदत्त पडिक्कल ने 248 गेंदों पर 199 रन बनाए। उनकी पारी में 24 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वह दोहरे शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए। साई सुदर्शन ने 184 गेंदों पर 91 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 215 रन की बड़ी साझेदारी की।

आकिब नबी ने पहली और दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए।

थे। इसके बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 42 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वह मुकेश चौधरी की गेंद पर आउट हो गए। मिचेल हे ने 12 रन बनाए।

यश राठौड़ ने 72 गेंदों पर 66 रन बनाए, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 80 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। औकिब नबी ने 38 और आकाश दीप ने नाबाद 25 रन बनाए। भारत-A की टीम पहली पारी में 113 रन पर सिमट गई थी, लेकिन दूसरी पारी में 516 रन बनाकर मैच में वापसी की।

भारत-A के लिए आकिब नबी ने 28 रन देकर 3 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल ने भी गेंदबाजी करते हुए 7 रन देकर 2 विकेट झटके। मुकेश चौधरी, अंशुल कंबोज, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को 1-1 विकेट मिला। दूसरी ओर, कर्टिस हेफी 179 गेंदों पर 89 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ जेयडन लेनॉक्स 2 रन बनाकर क्रीज पर हैं। न्यूजीलैंड-A को आखिरी दिन जीत के लिए 131 रन बनाने होंगे, जबकि भारत-A को जीत के लिए एक विकेट की जरूरत है।

भारत-ए की पहली पारी के 113 रन के जवाब में न्यूजीलैंड-ए ने 317 रन बनाए थे। कप्तान राइस मारियू ने 76 और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन की पारी खेली। क्रिस्टियन क्लार्क ने भी 42 रन बनाए। भारत-ए के लिए अंशुल कंबोज और औकिब नबी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि आकाश दीप को 2 विकेट मिले।

मनोरंजन

होंठों पर गुलाब, आंखों में गुस्सा दिखा, एक्टर ने लिखा- कातिल नहीं, आशिक हूं

शाहरुख की फिल्म 'किंग' का नया पोस्टर रिलीज

फिल्म में शाहरुख के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी भी नजर आएंगे। किंग की कहानी एक मेंटर और शिष्य के सफर पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं।

मुंबई। शाहरुख खान ने अपकमिंग मूवी 'किंग' का नया पोस्टर मंगलवार को जारी किया है। पोस्टर में शाहरुख के होंठों के बीच गुलाब नजर आ रहा है। उनकी आंखों में गुस्सा और अंदाज में रोमांस दिख रहा है। पोस्टर से फिल्म में एक्शन और रोमांस का मेल होने के संकेत मिलते हैं। शाहरुख ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "आज फिर याद आया... कातिल नहीं, आशिक हूं।"

फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। फिल्म को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स ने मिलकर बनाया है। फिल्म में शाहरुख एक नए एक्शन अवतार में नजर आएंगे।

'किंग' में शाहरुख पहली बार बेटी सुहाना खान के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इस फिल्म से सुहाना का थिएटर में डेब्यू होगा। इससे पहले वह ओटीटी फिल्म 'द आर्चीज' में नजर आ चुकी हैं।

साल 2023 में शाहरुख ने करीब 5 साल बाद फिल्म 'पठान' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसे सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था। अब वह एक बार फिर शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में काम कर रहे हैं।

फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन के रोल में नजर आएंगे। उनका किरदार काफी खतरनाक बताया जा रहा है। फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' (2006) के करीब 20 साल बाद शाहरुख खान और रानी मुखर्जी फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की यह साथ में छठी फिल्म होगी। दोनों ने केप टाउन में फिल्म के एक खास गाने की शूटिंग भी की थी। फिल्म के गानों और बैकग्राउंड म्यूजिक की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर और सचिन-जिगर संभाल रहे हैं।

क्रिसमस 2026 में होगी बड़ी टक्कर

किंग क्रिसमस 2026 के दौरान रिलीज होगी, जब जुमांजी, एवेंजर्सः डूम्सडे और ड्यून 3 जैसी हॉलीवुड फिल्में भी रिलीज होंगी। इस कॉम्पिटिशन को देखते हुए, फिल्म के लिए बड़े थिएटर रिलीज की प्लानिंग की जा रही है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में सामने आया था कि फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पेन मरुधर ने किंग के ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 250 करोड़ रुपए में खरीद लिए। बता दें कि पेन मरुधर का शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस के साथ पुराना संबंध रहा है। कंपनी पहले जवान, डंकी, जीरो, बदला और इत्तेफाक जैसी फिल्मों को रिलीज कर चुकी है। ए.ए. फिल्म्स, जियो स्टूडियोज, पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स, यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस जैसी कंपनियों ने भी फिल्म के डोमेस्टिक राइट्स के लिए बोली लगाई थी।

आखिरी फिल्म में 'बीहड़' के बागी बने दिखेंगे नाना पाटेकर

इरफान खान को बहुत याद करते थे

नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर ने अपनी आखिरी फिल्म दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी शक्तिशालिनी में काम किया। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की खासियत इसकी कहानी और स्टारकास्ट के साथ उसकी दुनिया भी है।

यह पारंपरिक हॉरर-कॉमेडी से अलग है। इसमें सोशल सिचुएशन, रियल लाइफ से इंस्पायर्ड घटनाओं और चंबल के बीहड़ों को अहमियत दी गई है। नाना का किरदार कॉमिक अंदाज के बजाय गंभीरता और बागी तेवरों वाला है। फिल्म को मुंज्या और थामा फेम आदित्य सरपोतदार ने डायरेक्ट किया है और गुल्लक फेम दुर्गेश सिंह ने कहानी लिखी है।

सूत्रों के मुताबिक, फिल्म को हॉरर-कॉमेडी की कैटेगरी में रखना सही नहीं होगा। इसकी कहानी गंभीर ड्रामा पर आधारित है, जिसमें सोशल सिचुएशन से पैदा होने वाला डर और टेंशन अहम हैं। फिल्म में हॉरर एलिमेंट है, लेकिन कॉमेडी के जरिए दर्शकों को डराना इसका मकसद नहीं है। कहानी की परिस्थितियों और सोशल बैकग्राउंड से बेचैनी पैदा करने की कोशिश की गई है। इसलिए इसे सोशल हॉरर-ड्रामा माना जा रहा है।

फिल्म की कहानी रियल घटनाओं से इंस्पायर्ड बताई जा रही है। हालांकि, इंस्पिरेशन लेने और किसी घटना को हूबहू पर्दे पर दिखाने में फर्क है। अभी साफ नहीं है कि स्क्रिप्ट वास्तविक घटनाओं को किस हद तक फॉलो करती है और कहां क्रिएटिव लिबर्टी ली गई है।

इमरान हाशमी के घर की रेकी करने पहुंचे थे शूटर, स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद भी नहीं ढूंढ पाए घर

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में मुंबई पुलिस को जांच में पता चला है कि आरोपी शूटरों को एक्टर इमरान हाशमी के घर की रेकी करने को भी कहा गया था। हालांकि, वे उनका घर नहीं ढूंढ पाए। यह दावा हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सलमान खान लंबे समय से लॉरेंस गैंग के निशाने पर हैं। इस बार शूटरों ने आमिर खान के घर की भी रेकी की थी।

अधिकारी के मुताबिक, शूटरों को पता नहीं था कि आमिर खान दक्षिण मुंबई में शिफ्ट हो चुके हैं। इसलिए वे उनका घर नहीं ढूंढ सके।

इसके बाद शूटरों को इमरान हाशमी के घर की रेकी करने को कहा गया। वे स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद भी घर का पता नहीं लगा पाए। उन्होंने अपने हैंडलर्स को इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि

इसके बाद शूटरों ने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का फैसला किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर श्रॉफ के रील्स देखे थे।

शूटरों को यह भी पता चला था कि टाइगर श्रॉफ हर रविवार जुहू के पुष्पा नरसी ग्राउंड में फुटबॉल खेलने जाते हैं। कुणाल ने राधा वर्मा को एक पिस्तौल दी थी। इसके बाद राधा वर्मा और बबीता राव ने 17 अक्टूबर को दादर में कथित शूटर रेहान अंसारी से मुलाकात की।

दोनों ने रेहान अंसारी को पिस्तौल सौंप दी थी। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि शूटरों को हमले के बाद हथियार लौटाने के निर्देश दिए गए थे। उन्हें यह भी बताया गया था कि हथियार जल्द ही वापस ले लिया जाएगा।

टाइगर श्रॉफ गोली लगने से बाल-बाल बच गए थे। हालांकि, उनके ड्राइवर और एक राहगीर को गोलियां लगी थीं। इस मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

चार आरोपी 28 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में सोमवार को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार चार आरोपियों को एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 28 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इन आरोपियों में कुणाल संजय, सुमित सरोलिया, राधा वर्मा और बबीता राव शामिल हैं।

पुलिस ने कोर्ट को बताया कि इन आरोपियों ने शूटरों को हथियार मुहैया कराए थे। पुलिस के मुताबिक, कुणाल की बात अनिल पंडित से होती थी। अनिल पंडित को लॉरेंस गैंग का कथित ऑपरेटिव बताया गया है। उसने टाइगर पर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था।

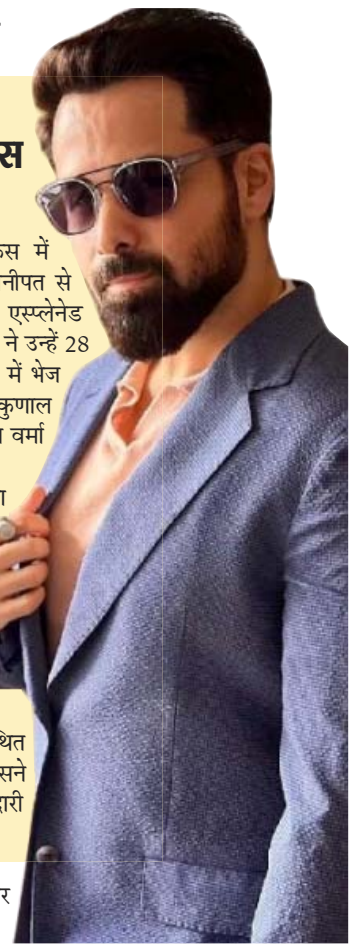

रक्षा मंत्री 1 अरब डॉलर लेकर तेहरान पहुंचे ■ ईरान-पाकिस्तान के जरिए मध्यस्थता की कोशिश

हूतियों को हमला न करने के बदले पैसे देगा सऊदी

पेशकश

तेहरान/रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच पिछले 3 महीने से जंग चल रही है। हूती विद्रोहियों ने सऊदी के कई तेल ठिकानों और एयरपोर्ट्स पर हमले किए हैं।

अब इसे खत्म करने के लिए सऊदी ने हूती विद्रोहियों को पैसे देने की पेशकश की है। इजराइली अखबार हायोम के मुताबिक सऊदी हूती विद्रोहियों को 1 अरब डॉलर (95 अरब रुपए) देने को राजी हो गया है। ईरान इस समझौते के लिए मध्यस्थ बना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान इस सिलसिले में बातचीत

के लिए सोमवार को तेहरान पहुंचे थे। वे जिस प्लेन से तेहरान गए, उसमें पैसे भी ले गए थे। इजराइली मीडिया के मुताबिक, सऊदी अरब और हूतियों के बीच विवाद की एक वजह तीन साल पहले हुई सहमति को लागू न करना भी है। उस समझौते के तहत सऊदी अरब को हूतियों के नियंत्रण वाले इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी देने और आम लोगों के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं दोबारा बनाने के लिए आर्थिक मदद देनी थी। इसके बदले हूती विद्रोहियों से सीजफायर बनाए रखने और सऊदी अरब पर हमले रोकने की उम्मीद थी। लेकिन हाल ही में हूतियों ने आरोप लगाया कि सऊदी अरब ने पुरानी सहमति का पालन नहीं किया। उन्होंने इसी आधार पर अपने हमलों को सही ठहराया है।

सऊदी अरब के पास आधुनिक लड़ाकू विमान और मिसाइलें हैं। अमेरिका भी उसे हथियार और खुफिया जानकारी देता रहा है। इसके बावजूद वह 2015 से हूती विद्रोहियों के खिलाफ जारी लड़ाई में जीत हासिल नहीं कर पाया है। 10 साल से ज्यादा समय बाद भी हूती यमन के बड़े हिस्से पर काबिज हैं और सऊदी अरब पर ड्रोन-मिसाइल हमले करने की क्षमता रखते हैं। इसकी एक बड़ी वजह हमले और बचाव पर होने वाला खर्च है। हूती सस्ते ड्रोन और मिसाइलों से हमला करते हैं, जबकि उन्हें रोकने के लिए सऊदी अरब को महंगी इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ती हैं।

ऐसे में हूतियों के हमलों को रोकने में सऊदी अरब का खर्च कहीं ज्यादा हो सकता है, जिससे लंबे समय तक लड़ाई जारी रखना महंगा पड़ता है।

■ सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के अधिकारी सोमवार को तेहरान पहुंचे थे। उन्होंने ईरान जंग और हूती विद्रोहियों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की।

> **हूती लंबे समय से यमन में सक्रिय हैं और वहां उनकी मजबूत पकड़ है। उन्हें पूरी तरह हटाने के लिए सऊदी अरब को बड़ा जमीनी अभियान चलाना पड़ सकता है। इसमें सैनिकों के मारे जाने और युद्ध लंबे समय तक चलने का खतरा है।**

सऊदी की शर्त- हूती पहले कब्जे वाले इलाके लौटाए

इस बातचीत में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और तुर्किये की खुफिया एजेंसी के प्रमुख इब्राहिम कालिन और ईरान की ओर से राष्ट्रपति मसूद पजशकियान भी शामिल हुए।

रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब का कहना है कि वह सैन्य दबाव में आकर कोई नया सीजफायर समझौता नहीं करेगा। सऊदी चाहता है कि हूती पहले उन इलाकों को लौटाएं, जिन पर उन्होंने यमन की सरकार से कब्जा किया है। इस सरकार को सऊदी अरब का समर्थन हासिल है।

हूतियों के हमलों से सऊदी अरब के एयरपोर्ट और तेल ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। दूसरी ओर, बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास भी हूतियों के कब्जे की वजह से सऊदी का तेल निर्यात प्रभावित हुआ है।

डोनल्ड ट्रंप पर लगा बलात्कार का आरोप

पूर्व मिस स्विट्जरलैंड का दावा- 1993 में होटल के कमरे में हुई दरिंदगी

वाशिंगटन, एजेंसी

पूर्व मिस स्विट्जरलैंड बीट्रिस केउल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर आरोप लगाए हैं कि 1993 में न्यूयॉर्क के प्लाजा होटल में ट्रंप ने उनके साथ बलात्कार किया था। उन्होंने इस घटना को बेहद क्रूर बताया है। उनका यह बयान डेमोक्रेट्स की एक नई रिपोर्ट में शामिल है। हाउस ज्यूडिशियरी कमिटी द्वारा जारी इस रिपोर्ट में जेफ्री एपस्टीन के सेक्स ट्रैफिकिंग रैकेट के साथ ट्रम्प के कथित संबंधों की जांच की जा रही है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित और बेबुनियाद करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना नवंबर 1993 की है।

तत्कालीन मॉडल और फाइनेंशियल सर्विस पेशेवर बीट्रिस केउल को जिल हार्ट द्वारा अटलांटिक सिटी और न्यूयॉर्क में आयोजित 'डोनल्ड ट्रम्प अमेरिकन ड्रीम पेजेंट' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

उस समय होटल प्लाजा ट्रंप के स्वामित्व में था। केउल के अनुसार, एक प्रेस लंच के दौरान ट्रम्प उनके पास आए और कहा, 'आखिरकार हम मिल ही गए, मिस केउल।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि उसी दिन ट्रम्प के एक प्रतिनिधि ने केउल को होटल के ऊपरी कमरों में ट्रम्प से मिलने के लिए कहा।

फास्ट न्यूज

रूसी डीजल आयात अमेरिकी सांसदों की बैंकों

वॉशिंगटन । अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने बैंकों, बंदरगाह प्राधिकरणों और ईंधन वितरकों को चेतावनी दी है कि रूस से डीजल आयात की सुविधा देने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और कांग्रेस की जांच का सामना करना पड़ सकता है। सांसदों ने प्रमुख वित्तीय संस्थानों, बंदरगाहों और ईंधन वितरक कंपनियों के प्रमुखों को लिखे पत्रों में कहा कि अमेरिकी कानून का उल्लंघन करते हुए आयात में मदद करने वाली कंपनियों पर आपराधिक और दीवानी कार्रवाई हो सकती है।

युगांडा में 15 साल में 38 लोगों को मारकर खा गया 'नरपिशाच'

कंपाला। युगांडा के सुरक्षा बलों ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर पिछले 15 वर्षों के दौरान 38 लोगों की हत्या कर उनका मांस खाने का गंभीर आरोप है। देश के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के जनरल मुहूजी काइनेरुगाबा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गिरफ्तारी की जानकारी दी है।आरोपी की पहचान मुजुरिजी मोसेस के रूप में हुई है, जिस पर 2010 से 2025 के बीच मसाका, इबांडा और काजो जिलों में जघन्य अपराधों को अंजाम देने का आरोप है। जनरल काइनेरुगाबा ने आरोपी को युगांडा के इतिहास का सबसे क्रूर सीरियल किलर और आदमखोर करार दिया।

सोना 628 सस्ता होकर 1.41 लाख पर आया

नई दिल्ली। केदिवाली से पहले सोने-चांदी के दाम में गिरावट जारी है। आज यानी 26 अक्टूबर को भी इनके दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 628 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,442 रुपए कम होकर 1.92 लाख रुपए पर आ गई है।

जर्मनी में युवक ने भीड़ पर जानबूझकर चढ़ाई तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार

उत्तरी जर्मनी में जानबूझकर कार से भीड़ को टक्कर

बर्लिन, एजेंसी

सोमवार को देर रात उत्तरी जर्मनी में एक कार ने जानबूझकर लोगों के समूह को टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि न्यूस्टैड एम रूबेनबर्गे में एक BMW कार को आरोपी ने जानबूझकर लोगों के एक समूह पर चढ़ा दिया।

इस घटना में चार से पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ को मामूली चोट आई है वहीं कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

पुलिस की एक टीम पास में ही रूटीन ट्रैफिक चेकिंग कर रही थी, टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को कंट्रोल किया। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान अधिकारियों ने गाड़ी पर गोलियां भी चलाईं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में शामिल लोग एक-दूसरे को जानते थे। पुलिस ने बताया कि कार में सवार लोग मौके से भाग गए और अभी भी फरार हैं।

जंग रोकने तेहरान पहुंचे सऊदी-पाक-तुर्किये, ट्रम्प ने जल्द हमला करने की धमकी दी थी

मुस्लिम देशों को एकजुट होना चाहिए : ईरानी राष्ट्रपति मसूद

तेहरान, एजेंसी

ईरान के साथ जंग रोकने और पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के अधिकारी सोमवार को तेहरान पहुंचे।

यहां उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान और दूसरे अधिकारियों के साथ बैठक की। पजशकियान ने कहा कि मुस्लिम देशों को एकजुट होकर क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए।

यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर जल्द हमला करने की धमकी दी थी। बैठक में सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख

फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और तुर्किये के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन शामिल हुए। ईरान की ओर से राष्ट्रपति पजशकियान के अलावा विदेश मंत्री अब्बास अराघची और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मेजर जनरल मोहसेन रेजाई भी मौजूद थे। इससे पहले सऊदी रक्षा मंत्री, तुर्किये के खुफिया प्रमुख और पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने रेजाई के साथ अलग से बैठक की थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि चारों देश क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने और बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि मक्का रक्षा समझौते में शामिल देश क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। यह पहल कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को भी समर्थन देती है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के साथ समझौते की राह में बड़ी रुकावट बना हुआ है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसी महीने की शुरुआत में कहा था कि ईरान को यूरेनियम संवर्धन की अपनी क्षमता में ठोस कमी करनी होगी।

मक्का रक्षा समझौते का हिस्सा हैं सऊदी-पाक-तुर्किये

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये अगस्त में हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का हिस्सा हैं। इस समझौते के मुताबिक, तीनों देशों में से किसी एक पर हमला बाकी देशों पर हमला माना जाएगा। सऊदी अरब के सार्वजनिक कूटनीति मामलों के उप मंत्री रायेद क्रिमली ने कहा कि यह बैठक संकट में शामिल पक्षों के बीच तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिशों का हिस्सा है।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- दबाव से देशों को झुकाया नहीं जा सकता

बैठक के दौरान पजशकियान ने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने लोगों के खिलाफ खतरों का मिलकर सामना करना चाहिए। आपसी मतभेदों को बातचीत से सुलझाना चाहिए और सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा की, इन बैठकों में होने वाला कोई भी ऐसा समझौता, जिससे क्षेत्र में एकता, आपसी तालमेल और सहयोग बढ़ेगा, उसे ईरान का पूरा समर्थन मिलेगा।

दायरे में 60 हजार कर्मचारी, इनमें भारतीय भी, एआई खर्च की भरपाई के लिए फैसला

माइक्रोसॉफ्ट कर्मचारियों को पैसे लेकर नौकरी छोड़ने का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी

माइक्रोसॉफ्ट ने करीब 60 हजार कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर दिया है। कंपनी ने इसके बदले ग्रेड के मुताबिक एक साल तक की सैलरी एकमुश्त देने की बात कही है।

कंपनी AI और सिस्टम बनाने में हुए खर्च की भरपाई के लिए कर्मचारियों की संख्या कम करने जा रही है। कंपनी में कुल 2.23 लाख कर्मचारी हैं, जिनमें 23 हजार भारत में हैं। माइक्रोसॉफ्ट भारत, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के लेवल 70 या उससे नीचे के पद पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए यह स्कीम लाई है। इनमें से कितनों को ऑफर मिलेगा, यह साफ नहीं है।

कंपनी ने कहा है कि एलिजिबल कर्मचारियों को अगले कुछ घंटे में ईमेल भेजा जाएगा। इस पर 1 दिसंबर तक फैसला करना होगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने मई और जुलाई 2025 में करीब 15 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। इसके बाद जुलाई 2026 में भी कंपनी ने करीब 4,800 पद खत्म किए। यानी इन तीनों दौर में कुल मिलाकर करीब 20 हजार नौकरियों पर असर पड़ा।

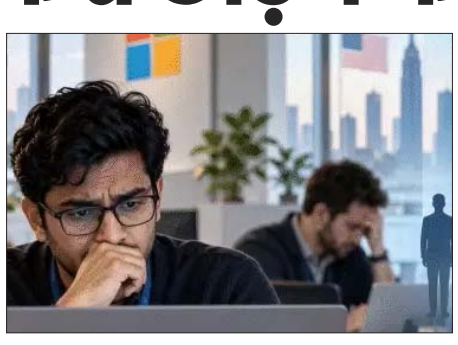

■ माइक्रोसॉफ्ट की यह योजना भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के कर्मचारियों के लिए है।

> **जो लोग ऑफर नहीं लेंगे, वे अपनी मौजूदा भूमिकाओं में काम करते रहेंगे या कंपनी उन्हें कोई दूसरा प्रोजेक्ट/टीम असाइन कर सकती है।**
>
> **यदि कंपनी वॉलेंटरी ऑफर से अपना खर्च घटाने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाती है, तो आने वाले समय में वह जबरन छंटनी का कदम उठा सकती है। उस स्थिति में नौकरी जाने पर कर्मचारियों को वॉलेंटरी एग्जिट जितना बेहतर फाइनेंशियल पैकेज नहीं मिलता है।**

माइक्रोसॉफ्ट की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ पीपल ऑफिसर एमी कोलमैन ने कहा कि वॉलंटरी एग्जिट ऑफर हमारे लिए एक नया अनुभव है और हम इससे बहुत कुछ सीखेंगे।

इसके साथ ही, हमारा ध्यान इस बात पर रहेगा कि लोग अपने सबसे जरूरी काम पर फोकस कर सकें, नई चीजें सीखें और जहां संभव हो, माइक्रोसॉफ्ट के अंदर ही नए मौकों की तलाश करें। हर टीम या हर कर्मचारी के लिए एक ही नियम लागू नहीं हो सकता।

ये कुछ ऐसे तरीके हैं जिनसे हम बिजनेस की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि हमारे अपने लोगों को आगे बढ़ने और योगदान देने का मौका मिलता रहे।

मेरा वादा है कि मैं आगे भी आपको हर बात साफ-साफ बताती रहूंगी, आपकी बात सुनूंगी और लगातार सुधार करती रहूंगी। आप हमारे ग्राहकों, माइक्रोसॉफ्ट और एक-दूसरे के लिए जो भी कर रहे हैं, उस सब के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

लेवल 70 से ऊपर सीनियर पद, उनकी छंटनी नहीं

माइक्रोसॉफ्ट में शुरुआती पद लेवल 59 से शुरू होते हैं और सीनियर पद लेवल 70 से ऊपर होते हैं। यह कंपनी के जूनियर, मिड-लेवल और सीनियर स्तर के कर्मचारियों का कैडर होता है।

इसमें सीनियर डायरेक्टर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सीनियर इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर, टीम लीडर और मिड-लेवल मैनेजर्स शामिल होते हैं।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारते ही फ्लेवियो पर एक्शन

पासपोर्ट जमा करने और देश छोड़ने पर लगी रोक

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा से हार के बाद ब्राजील के सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो को 24 घंटे के अंदर अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया गया है और उनके देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। यह गोपनीय आदेश सुप्रीम फेडरल कोर्ट के जस्टिस एलेक्जेंडर डी मोरेस द्वारा जारी किया गया है

ब्राजील की सरकारी समाचार एजेंसी 'एजेंसिया ब्रासिल' की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई फेडरल पुलिस द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध विदेशी मुद्रा लेनदेन की जांच के तहत की गई है। अदालत के आदेश के अनुसार, फ्लेवियो के सभी सामान्य और डिप्लोमैटिक पासपोर्ट रद कर दिए गए हैं।

इस आदेश के तहत बोल्सोनारो के वकील विलर टोमाज से संपर्क करने से भी मना किया है। टोमाज पर सीनेटर के साथ मिलकर मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच चल रही है। सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में फ्लेवियो बोल्सोनारो ने इस आदेश की पुष्टि की उन्होंने बताया कि उन्हें यह नोटिस तब मिला जब वह अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो से मिलने गए थे, जो ब्रासीलिया में हाउस अरेस्ट हैं।

सोशल मीडिया वीडियो में बोल्सोनारो ने कहा, 'मुझे सड़क पर ही अपने पासपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया, और साथ ही मेरे देश छोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है।'

कार्यक्रम : प्रदर्शनकारियों ने कई कारों और कचरे के कंटेनरों में आग लगाई

स्पेन के बिलबाओ में भड़की हिंसा

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन के बिलबाओ में दक्षिणपंथी कार्यकर्ता वीटो क्विल्स को एक कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन उनके आने के विरोध में बिलबाओ में हिंसक प्रदर्शन शुरू हुए। हिंसक प्रदर्शन में कई कारों और कचरे के कंटेनरों में आग लगा दी गई।

हिंसा भड़कने के चलते सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम को रद कर दिया गया, जिसके बाद ड्यूस्टो इलाके में दंगा-रोधी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ। पुलिस ने इस हिंसक प्रदर्शन नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों का एक समूह ड्यूस्टो पुलिस स्टेशन की ओर बढ़ा, जहां उन्होंने पत्थर फेंके और

नगर पुलिस की मोटरसाइकिल में आग लगा दी।

सुरक्षा विभाग का आरोप है कि इसमें शामिल लोगों ने जानबूझकर हंगामा किया, जबकि उन्हें पता था कि कार्यक्रम रद कर दिया गया है।

पुलिस के निर्देशों के बाद, यूनिवर्सिटी ऑफ ड्यूस्टो ने दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) से अपनी गतिविधियां रोक दीं और एहतियात के तौर पर दोपहर 3 बजे (स्थानीय समय) अपना कैंपस बंद कर दिया।

संस्थान ने कहा कि यह कार्यक्रम बाहर के लोगों द्वारा आयोजित किया गया था, इसके लिए कैंपस में कोई अनुमति नहीं ली गई थी और यूनिवर्सिटी का इसे कोई समर्थन नहीं था। वीटो क्विल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कार्यक्रम रद होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने पुलिस ऑपरेशन के प्रमुख से बात की थी, जिन्होंने उन्हें घटनाओं के बहुत अधिक जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी। किल्स ने इसी पोस्ट पर प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि वे ETA (एक पूर्व आतंकवादी संगठन) के सदस्य, सड़क पर हिंसा करने वाले आतंकवादी और अन्य अपराधी हैं। हालांकि उन्होंने अपने इन आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को नीच भी कहा और लिखा, 'हम बिलबाओ वापस आएंगे। लेकिन 29N (29 नवंबर) को उन्हें वैसा ही जवाब देंगे, जिसके वे हकदार हैं।'

स्पेन में हर जगह विरोध प्रदर्शन

बिलबाओ में ये झड़पें ऐसे समय में हुई हैं जब पूरे स्पेन में किफायती घरों की उपलब्धता और बढ़ती महंगाई को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

स्पेन में आवास को लेकर देशव्यापी प्रदर्शनों की शुरुआत सितंबर 2026 के आखिर में हुई, जब 23 सितंबर को मैड्रिड में 87 वर्षीय मारिकार्मेन अबास्कल को उनके घर से बेदखल कर दिया गया।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर लगाई आग

प्रदर्शनकारियों ने चेहरे ढके हुए थे। उन्होंने कंटनर और कारों में आग लगा दी। इस प्रदर्शन में कम से कम छह कारों, कचरे के कई कंटेनरों और नगर पुलिस की एक मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचा, जबकि दमकलकर्मियों को कई जगहों पर लगी आग बुझाने के लिए पहुंचना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर बैरिकेड्स लगाकर रास्ता भी रोका। स्पेन से इस हिंसात्मक प्रदर्शन का वीडियो भी सामने आया है।

स्पेनिश अखबार एल कॉन्स्टिट्यूशनल के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ड्यूस्टो के पास शाम 7 बजे क्विल्स के कार्यक्रम के खिलाफ पहले से ही प्रदर्शन चल रहे थे। लेकिन सोमवार को ये प्रदर्शन काफी उग्र हो गए।

'वीटो का इस्तेमाल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं होना चाहिए'

वाशिंगटन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में व्यापक सुधारों की अपनी मांग को एक बार फिर दोहराते हुए भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (पी5) को मिला वीटो पावर का विशेषाधिकार किसी संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को साधने का साधन नहीं बनना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्थवनेनी हरीश ने देश का पक्ष रखते हुए कहा कि वीटो केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक भारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से जुड़े मसलों पर वीटो का इस्तेमाल बेहद संयम के साथ किया जाना चाहिए। भारतीय राजदूत ने वीटो के ऐतिहासिक इस्तेमाल का ब्योरा देते हुए बताया कि कुछ चुनिंदा देशों द्वारा इसके असंतुलित उपयोग ने सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में लगभग 200 प्रस्तावों पर अब तक 331 बार वीटो का उपयोग किया जा चुका है।

पिछले साढ़े तीन दशकों से पांच स्थायी सदस्यों में से दो ने वीटो का इस्तेमाल नहीं किया है, जबकि अधिकांश वीटो या उसकी धमकियां बाकी तीन सदस्यों की तरफ से ही आई हैं। 2022 में वीटो के इस्तेमाल पर जवाबदेही तय करने के लिए नियम बनाए गए थे, लेकिन उसके बाद भी इसके लगातार उपयोग से साबित होता है कि वे प्रयास नाकाफी रहे हैं। पार्थवनेनी हरीश ने रेखांकित किया कि वीटो के मुद्दे को अकेले सुलझाने से व्यवस्था नहीं बदलेगी। इसके लिए सुधार के सभी महत्वपूर्ण विषयों पर एक साथ बात करना जरूरी है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676